हरिभूमि रायपुर भूमि

ये कैसा संकेत.... वाहन सवार हो रहे गुमराह, एयरपोर्ट मंदिर हसौद मार्ग की जगह अवंति विहार में कर रहे प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में एक ऐसा संकेत होर्डिंग्स लगा है, जो राहगीरों को भ्रमित कर रहा है। इस संकेत बोर्ड में राम मंदिर, एयरपोर्ट, नया रायपुर, मंदिर हसौद, आरंग, रायगढ़, सरायपाली जाने के लिए एरर बना हुआ है, जबकि जिस दिशा में एरो बना हुआ है, वह अवंति विहार जाने का मार्ग है। इस एरर को देखकर वाहन सवार भ्रमित होकर गलत रोड पकड़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस संकेत होर्डिंग्स को यहां लगे कई हफ्ते-महीने हो चुके हैं। इसके बाद भी इसमें एरर की जो त्रुटि हुई है, उसे सुधारा नहीं गया है।

इस संकेतक बोर्ड में विधायक और महापौर की तस्वीर

मरीन ड्राइव से तेलीबांधा थाना जाने वाले मुख्य मार्ग पर अवंति विहार जाने वाले रास्ते के पास यह संकेत होर्डिंग्स लगा हुआ है। इस संकेत होर्डिंग्स में रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा एवं महापौर मीनल चौबे की तस्वीर लगी हुई है। इन दोनों जनप्रतिनिधियों की तस्वीर के बीच में कौन सा मार्ग किस क्षेत्र की तरफ जाएगा, उनके नाम के नीचे एरो बना हुआ है। संकेत होर्डिंग्स में राम मंदिर, एयरपोर्ट, नया रायपुर, मंदिर हसौद, आरंग, रायगढ़, सरायपाली के नाम लिखे हुए हैं। इन सभी स्थानों पर जाने के लिए एरर तेलीबांधा थाना की ओर जाने के लिए सीधा एरो का संकेत देना था, जबकि नाम के नीचे लेफ्ट का बना हुआ है, जो अवंति विहार की ओर जाता है। इस तरह मार्ग और इलाकों से अंजान वाहन चालक इस संकेत को देखकर तेलीबांधा की ओर जाना छोड़ अवंति विहार की ओर जा रहे हैं। इससे वाहन सवार लोगों के समय की बर्बादी तो हो रही है, साथ ही गलत मार्ग पर जाने के कारण पेट्रोल-डीजल की भी बर्बादी हो रही है।

नवरात्रि विशेष

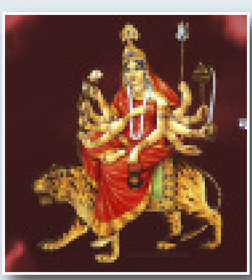

तृतीय : चंद्रघंटा

मां दुर्गा का तीसरा शक्ति स्वरुप है चंद्रघंटा। नवरात्रि के तीसरे दिन मां के इसी रुप का पूजन होता है। माता का यह रुप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है। इसी से इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। इनके शरीर का वर्ण सोने के समान है। उनके दस हाथ हैं। इनका वाहन सिंह है। इनकी पूजा से भक्तों में वीरता, निर्भयता और विनम्रता आती है। नवरात्रि के तीसरे दिन की पूजा का अत्यधिक महत्व माना जाता है। हमें मन-वचन-कर्म और काया की विधि विधान के अनुसार पवित्र करके ही मां की पूजा करनी चाहिए। इससे संसार के सारे कष्ट मिटते हैं और साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। तीसरे नवरात्र को भक्त का मन मणिपुर चक्र में प्रविष्ट होता है। मां की कृपा से उसे अलौकिक वस्तुओं की प्राप्ति होती है। विविध प्रकार की ध्वनियां सुनाई देती है। मां की कृपा से सारे पाप और संकट दूर होते हैं। इनके घंटे की आवाज प्रेत बाधाओं से सदा भक्तों की रक्षा करती है। मां चंद्रघंटा के भक्त जहां भी जाते हैं। उन्हें देखकर अन्य व्यक्ति सुख और शांति का अनुभव करते हैं। मां अपने आशीर्वाद से भक्तों को सदैव शुभफल देने वाली है। माता के इस रुप की आराधना का मंत्र इस प्रकार है।
पिंडजप्रवरारुढ़ा चंडकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते महाचंद्रघंटेति विश्रुता ॥

तारीख पर तारीख, सुनवाई नहीं, इसलिए राजस्व के 1 लाख 10 हजार से ज्यादा केस पेंडिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में राजस्व विभाग से संबंधित प्रकरणों में सुनवाई की जगह पक्षकारों को अब सिर्फ तारीख पे तारीख ही दी जा रही है। इसके कारण प्रदेशभर में राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का आंकड़ा भी 1 लाख 11 हजार से अधिक पहुंच गया है। राजस्व न्यायालयों में सामान्य दिनों में हर दिन औसतन 4 से 5 हजार प्रकरणों में सुनवाई की तारीख दी जा रही थी, जिनमें से 2 से 3 हजार के करीब प्रकरणों में सुनवाई भी होती थी, लेकिन पिछले लगभग पांच महीने से प्रकरणों में पेशी की तारीख तो दी जा रही है, लेकिन सुनवाई गिने-चुने प्रकरणों में की जा रही है। यहीं कारण है कि राजस्व ▶▶|शेष पेज 16 पर

10 से 15 दिनों के बाद अगली पेशी

राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों में नियमित रूप से सुनवाई नहीं किए जाने के कारण पक्षकारों को जहां बार-बार राजस्व कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं, वहीं नई पेशी की तारीख भी कम से कम 10 से 15 दिनों के बाद की दी जाती है। इस तरह तय दिन में सुनवाई नहीं होने से पक्षकारों को फिर कई दिनों तक अगली पेशी का इंतजार करना पड़ता है।

सीमांकन, नामांतरण, प्रविष्टि सुधार के भी हजारों मामले लंबित

राजस्व न्यायालयों में वैसे तो कई तरह के प्रकरण लंबित हैं। इनमें प्रॉपर्टी से संबंधित विवादित प्रकरण भी हैं। इसके अलावा सीमांकन, भू-अभिलेख नामांतरण एवं प्रविष्टि सुधार जैसे भी हजारों मामले लंबित हैं। नियमित सुनवाई नहीं होने से ये मामले भी निराकृत नहीं हो पा रहे हैं।

5924 प्रकरणों में 1703 में हुई सुनवाई, 4221 में फिर बढ़ी तारीख

राजस्व न्यायालयों में किस गति तरह से प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है, इसका खुलासा छत्तीसगढ़ राजस्व विभाग की वेबसाइट पर बुधवार को दर्ज आंकड़ा करता है। आंकड़ों के अनुसार प्रदेशभर में 18 मार्च को 5924 प्रकरणों में पेशी की तारीख दी गई थी। इसके एवज में 1703 प्रकरणों में ही आज सुनवाई हुई, वहीं शेष 4221 प्रकरणों में सुनवाई किए बिना अगली तारीख दे दी गई हैं। आज की सुनवाई का प्रतिशत देखें, तो मात्र 28 प्रतिशत प्रकरणों में ही सुनवाई हो पाई।

लंबित प्रकरणों में 5 से 10 साल पुराने मामले भी

लंबित प्रकरणों में एक और दो वर्ष के अलावा 3, 4 तथा 5 वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक पुराने प्रकरणों की संख्या भी हजारों में है। 5 से 10 वर्ष तक लंबित प्रकरणों में ज्यादातर विवादित हैं। हालांकि ऐसे विवादित प्रकरणों को भी तेजी से निराकरण करने संबंधी आदेश कई बार शासन और जिला प्रशासन स्तर पर जारी किए जा चुके हैं। इसके बाद भी लंबित प्रकरणों की संख्या घट नहीं रही।

राजस्व न्यायालयों लंबित प्रकरणों की स्थिति

रायपुर, 4346, बिलासपुर 5076, दुर्ग 9298, सरगुजा 3090, राजनांदगांव 3054, महासमुंद 4059, रायगढ़ 4859, कोरबा 3411, कबीरधाम 3729, जांजगीर-चांपा 3041, जशपुर 3036, बालोद 2880, बलौदाबाजार-भाटापारा 3253 सहित अन्य कई जिलों में भी 2 हजार से लेकर 3 हजार के करीब प्रकरण लंबित हैं।

नहीं बढ़ाई फीस, अब खत का जवाब नहीं देंगे निजी स्कूल

आरटीई राशि बढ़ाने हाईकोर्ट का आदेश पालन नहीं होने से नाराज हैं निजी स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शिक्षा के अधिकार कानून के तहत दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि नहीं बढ़ाने से नाराज निजी स्कूलों ने अब असहयोग आंदोलन का निर्णय लिया है। निजी स्कूल संघ का कहना है, जब तक स्कूल शिक्षा विभाग शिक्षा के अधिकार कानून के अंतर्गत प्रदान दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि नहीं बढ़ाता तब तक प्रदेश के समस्त स्कूल असहयोग आंदोलन करेंगे। असहयोग आंदोलन उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन ▶▶|शेष पेज 16 पर

आरटीई सत्यापन नहीं

छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा यह फैसला एक मार्च को हुई बैठक में लिया गया है। निजी स्कूल संघ ने कहा, असहयोग आंदोलन में स्कूल शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी अथवा नोडल प्राचार्य के किसी भी कार्य में प्रदेश के निजी स्कूल सहयोग नहीं करेंगे। इसके अलावा उनके किसी पत्र, नोटिस अथवा आदेश का जवाब नहीं दिया जाएगा। संघ के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा, गरीब विद्यार्थियों की शिक्षा पर होने वाले व्यय पर स्कूल शिक्षा विभाग संवेदनहीन है। न्यायालय के आदेश की भी अनदेखी की जा रही है। संगठन के समस्त स्कूल आरटीई के तहत प्राप्त आवेदनों के सत्यापन कार्य में हिस्सा नहीं लेंगे। प्रदेश के 20 जिला संगठनों द्वारा भी अपने अपने जिलों में असहयोग आंदोलन के लिए पत्र सम्बंधित जिला शिक्षा अधिकारियों को सौंपे जा चुके हैं।

तीसरे दिन भी बिगड़ा रहा मौसम बलरामपुर में दोपहर ओलावृष्टि, बस्तर में भी बरसे, शहर में हल्की बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पश्चिमी विक्षोभ और द्रोणिका के प्रभाव से राज्य का मौसम तीसरे दिन भी बिगड़ा रहा। दोपहर बलरामपुर इलाके में बारिश के साथ काफी देर तक ओले पड़े, वहीं बस्तर के कई इलाकों में बारिश की गतिविधि बनी रही। दिन में कम गर्मी के बाद शाम होते ही शहर के कई इलाकों में हल्की बारिश भी हुई। बदले मौसम की वजह से राज्य में गर्मी का असर कम हुआ है, हालांकि रविवार से पारा पुनः चढ़ने की संभावना है।

राज्य में पिछले तीन से बादल-बारिश और ओलावृष्टि जैसी गतिविधि बनी हुई है। सरगुजा से लेकर बस्तर तक मौसम के मिजाज में बदलाव नजर आ रहा है। मौसमी तंत्रिका के असर से चालीस डिग्री तक पहुंच चुके तापमान में पांच से छह डिग्री की गिरावट आ चुकी है। इसके प्रभाव से राज्य में पैर पसार रही गर्मी सिमट चुकी है। पिछले चौबीस घंटे ▶▶|शेष पेज 16 पर

- **मौसम तंत्रिका के प्रभाव से बिगड़ा हुआ है मौसम का मिजाज, तेज गर्मी से मिल रही राहत**
- **आज बस्तर में अधिक असर रहने के आसार, रविवार से तापमान बढ़ते क्रम के दौर में**

अभी यह सिस्टम

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पाकिस्तान से दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश तक पंजाब होते हुए विस्तारित है। ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण हरियाणा के ऊपर मौजूद है। साथ ही एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे लगे दक्षिण उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण से होते हुए नागालैंड तक झारखंड, उत्तर गंगेटिक पश्चिम बंगाल, दक्षिणी असम सक्रिय है। शनिवार को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

राज्य का अधिकतम तापमान 38 से कम

शुक्रवार को राज्य का अधिकतम तापमान 38 डिग्री से नीचे और रायपुर का 33 डिग्री से कम रिकार्ड किया गया। शहर में दिन बिना तेज गर्मी के गुजरा और शाम होने के बाद मौसम बदलने पर थोड़ी और ठंडकता आ गई। अभी दिन के साथ अभी रात का न्यूनतम तापमान भी सामान्य से कम दर्ज किया जा रहा है। रायपुर समेत अन्य शहरों का न्यूनतम पारा 20 से 15 डिग्री के बीच है वहीं अधिकतम तापमान सामान्य से तीन से चार डिग्री सेल्सियस घटा हुआ है।

सूने मकान में धावा कैश-सिलेंडर किए पार

रायपुर। टिकरापारा थाने में पेशे से एक मजदूर ने अज्ञात चोरों के खिलाफ सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी, जेवर, गैस सिलेंडर सहित 10 हजार रुपए के सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। भैरव नगर निवासी नंदकुमार सेन ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। भैरव ने पुलिस को बताया कि वह 12 दिन पूर्व 8 मार्च को अपनी पत्नी के साथ रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने टाटीबंध गया था। 14 मार्च की रात करीब 9 बजे जब वे वापस घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। चोर घर के अंदर प्रवेश कर कैश, जेवर, सिलेंडर चोरी कर ले गए थे।

सख्ती बढ़ने के बाद सूखे नशा का कारोबार करने वालों ने पैटर्न बदला

कुरियर से बीपी मशीन की आड़ में कोकीन की तस्करी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी पर पुलिस द्वारा सख्ती बरते जाने के बाद तस्कर तस्करी का पैटर्न बदल कर कुरियर के माध्यम से प्रतिबंधित मादक पदार्थ की अवैध खरीद फरोख्त कर रहे हैं। एक ऐसे ही मामले में पुलिस ने एक युवक को कुरियर से बीपी मशीन की आड़ में कोकीन मंगाने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

बीपी मशीन की आड़ में कुरियर से कोकीन मंगाने के आरोप में पुलिस ने शंकर नगर निवासी कृष्ण गोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस गोपाल से पूछताछ कर तस्करी से ▶▶|शेष पेज 16 पर

कुरियर कंपनी के खिलाफ भी कार्रवाई

पुलिस के अनुसार कृष्ण गोपाल ने किसी दूसरे राज्य से कोकीन को कुरियर के माध्यम से मंगवाया था। पुलिस को कुरियर कंपनी का नाम मिल गया है और कृष्ण गोपाल ने कहां से कोकीन मंगाया था, पुलिस को इसकी भी जानकारी मिल गई है। जिस कुरियर कंपनी के माध्यम से कृष्ण गोपाल ने कोकीन मंगाया था, पुलिस को इस संबंध में जानकारी मिल गई है। पुलिस कुरियर कंपनी के खिलाफ शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है।

गांजा तस्कर गिरफ्तार

एक अन्य मामले में गंज थाने की पुलिस ने भोपाल के दो गांजा तस्कर जिसमें एक महिला शामिल है, उनके कब्जे से 5.260 किलो गांजा जब्त किया है। पुलिस ने राजपूताना होटल के पास संदिग्ध हालत में खड़े कैलाश कुशवाहा और पूजा पटेल के बैग की तलाशी ली, तो बैग में गांजा मिला। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि वे ओडिशा से तस्करी कर गांजा लाए थे। तस्कर गांजा को गुजरात, अहमदाबाद ले जाने की फिराक में थे।

खुशियों का पैमाना छलकने न दें

मुसलमानों को ईद इस तरह मनानी चाहिए जिस तरह इस्लाम ने हुक्म दिया है, यह बहुत आवश्यक है कि हम अपनी खुशियों का पैमाना छलकने न दें । अपने सदका-खैरात (दान) में सबको याद रखें। कुरआन ने भी दिल की सफ़ाई के लिए दान करने का हुक्म दिया है।

ऐसे अवसरो में ईद को विशेष महत्व दिया गया है। ईद रमज़ान की समाप्ति के फ़ौरन बाद शव्वाल की पहली तारीख को मनायी जाती है। ईद का अवसर मुसलमानों के लिए इसलिए भी खुशी का मौका होता है, क्योकि रमज़ान के पूरे महीने के रोजे पूरे हो चुके होते हैं।

ईद के दिन नमाज से पहले फितरा अदा करना महत्वपूर्ण इबादत है क्योंकि इसमें बहुत से गरीब लोगों की खुशी का राज पोशीदा है। ईद के अवसर पर इन सबकी खुशी का ख्याल रखना जरूरी है। फितरा अगर दे दिया जाए तो गरीबों तक पहुँच जाए तो निश्चित रूप से वह भी यह दिन खुश होकर गुजार सकेंगे। ईदुलफित्र का पैगाम है कि मुसलमान आपस में भाईचारे के साथ रहें। उनके बीच नफरत की खाई पैदा न हो। अगर पहले से ऐसी कोई बात हो तो ईद के अवसर पर उसे खत्म हो जाना चाहिए। मुसलमानों को गौर करना चाहिए कि इस्लाम सभी मुसलमानों को ऐसा दिन प्रदान करके और सबको खुशी व्यक्त करने की इजाज़त देकर यह चाहता है कि सभी मुसलमान जिस प्रकार इस विशेष दिन में आपसी भाईचारा दिखाते हैं बाकी दिनो मे भी इसी भाईचारे को कायम रखें ताकि उनके बीच मेल-मिलाप बना रहे। वह एक ऐसी शक्ति बनकर रहे कि दुश्मन उनकी ओर आँख उठाकर भी न देख सकें। आज मुसलमानों के बीच फूट का जो सिलसिला जारी है और जिन छोटी-छोटी टुकडि़ों, ग्रुपों और मसलकों में विभाजित होकर वह तबाही के शिकार हो रहे हैं, ईद का दिन उनको जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

-मुबीन खान
(इस्लाम दर्शन केंद्र, रायपुर)

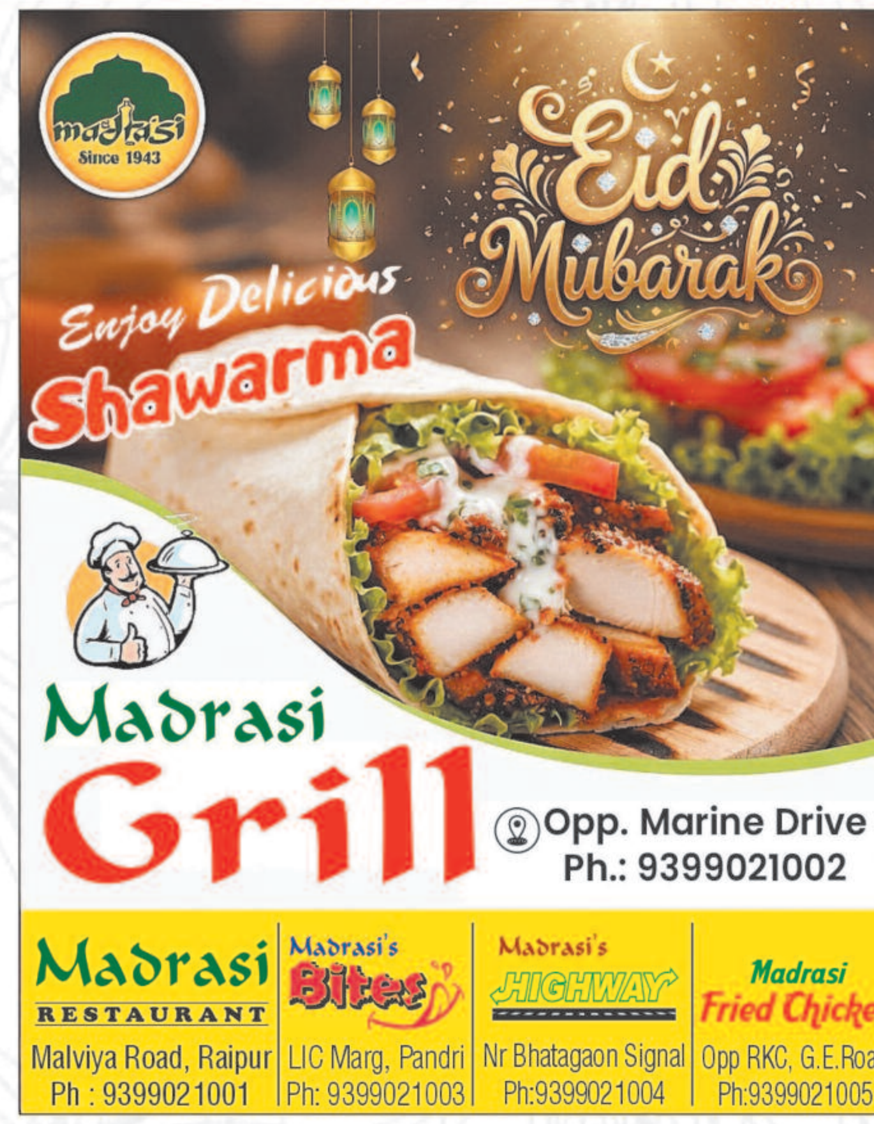

ईद-उल-फितर की पुरख़ुलूस मुबारक़बाद!

कौम के दर्द ने जो सिखाया...

शुरुआत में मैं कुछ और सोचता था,लेकिन जब कौम की तकलीफें और समस्याएं करीब से देखीं,तो समझ में आया कि ना ओहदा मायने रखता है, ना शोहरत. सबसे बड़ी चीज़ सिर्फ नीयत है। अब साफ दिखता है कि समाज में काम तो सब चाहते हैं, लेकिन अक्सर ये सोच भी रहती है कि.. "काम हो, पर ये आदमी न करे" यही सोच हमें एक दुसरो से जोड़ने के बजाय तोड़ रही है। हकीकत यह है कि हमारी लड़ाई किसी और से नहीं है, हमारे खुद के अंदर बैठे गुस्से, जलन और चिढ़ से है,जिसे हमने बेवजह अपने अंदर जगह दे दी है,जबकि सामने वाले से हमारा कोई सीधा लेन-देन भी नहीं होता। और एक सच्चाई यह भी है की कई लोग कोशिश करते हैं बदलाव लाने की अगर उनसे नहीं हो पाया, तो उन्हें चाहिए कि दूसरों के लिए रास्ता खोलें, बंद नहीं करें।

आज हमारे समाज में टैलेंट की कोई कमी नहीं, एक से बढ़कर एक काबिल लोग मौजूद हैं,बस जरूरत है सही मौका और सही प्लेटफॉर्म की। जरूरी नहीं कि हर काम मैं ही बेहतर कर सकता हूं। दूसरों को भी मौका देना ही असली समझदारी है।

हमें ये भी बदलना होगा कि पैसे, पहचान या खानदानी रसूख के दम पर जिम्मेदारियां बांटी ना जाएं वरना एक आम काबिल इंसान सिस्टम में ही उलझकर रह जाएगा।

आज अक्सर ऐसा होता है कि दोस्त और परिवार आगे बढ़ जाते हैं, और कौम पीछे छूट जाती है। अगर सच में समाज को उठाना है, तो ये फर्क खत्म करना होगा।

आइए बदलें हम, एक-दूसरे को समझने की कोशिश करें, आपसी गिले-शिकवे छोड़ दें, और बिना शर्त एक-दूसरे का हाथ थामें क्योंकि याद रखिए मिलकर चलेंगे, तो पूरी कौम उठेगी...

मोहम्मद सोहल सेठी
सदर, सिरतुन्नबी कमेटी, रायपुर
Mob.: 9425503792

खबर संक्षेप

राज्यपाल से रक्षा महाविद्यालय के अध्ययन दल ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से शुक्रवार को रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली के अध्ययन दल ने सौजन्य भेंट की। रक्षा महाविद्यालय द्वारा नेशनल सिक्योरिटी एवं स्ट्रैटेजिक स्टडीज विषय पर अंडरस्टैण्डिंग इंडिया स्टडी टूर के अंतर्गत 16 सदस्यों का दल 15 से 20 मार्च तक छत्तीसगढ़ भ्रमण पर रहा। अपनी यात्रा के अंतिम दिन इस दल ने राज्यपाल श्री डेका से मुलाकात की। अध्ययन दल में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी, मित्र देशों के सेनाधिकारी तथा कुछ सिविल सेवाओं के अधिकारी शामिल थे। इस दल ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न पर्यटक स्थलों, जैसे बार नवापारा अभयारण्य, ट्राइबल म्यूजियम, पुरखौती मुक्तांगन, बस्तर के विभिन्न जलप्रताप, कोंडागांव के शिल्पग्राम इत्यादि का भ्रमण किया। राज्यपाल श्री डेका ने अध्ययन दल के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ एक सुंदर प्रदेश है। आप सभी दोस्तों और परिवार के सदस्यों को अपने भ्रमण और छत्तीसगढ़ की खूबसूरती के बारे में बताएं, ताकि वे भी पर्यटक के रूप में यहां आ सकें। उन्होंने छत्तीसगढ़ की विशेषताओं के बारे में अध्ययन दल से चर्चा की। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यहां पर धान की प्रजातियों को संरक्षित करके रखा गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की शिल्पकला जैसे ढोकरा आर्ट, वुडन आर्ट, बैम्बू आर्ट के बारे में भी चर्चा की। इस प्रदेश में प्रतिभाशाली लोगों की भी कमी नही है, अमेरिका के ह्यूस्टन में छत्तीसगढ़ के हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका में बसे छत्तीसगढ़ के प्रवासी लोगों की संस्था नार्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन अमेरिका में स्वदेशी मेले का आयोजन करते हैं, जहां पर छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया जाता है।

स्कूलों में अब मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन केंद्र, उपलब्ध कराने होंगे जैव अपघटनीय सैनिटरी पैड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने अपने सभी संबद्ध स्कूलों को छात्राओं के मासिक धर्म स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अहम निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का उद्देश्य स्कूलों में सुरक्षित, स्वच्छ और जागरूक माहौल तैयार करना है, ताकि लड़कियां बिना झिझक अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। बोर्ड ने स्कूलों में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन (एमएचएम) केंद्र स्थापित करने, जैव अपघटनीय सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने और स्वच्छता से जुड़ी सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया है। यह पहल छात्राओं के स्वास्थ्य, गरिमा और आत्मविश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। सीबीएसई ने स्कूलों से कहा है कि वो छात्राओं के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन (एमएचएम) केंद्र स्थापित करें। इन केंद्रों के जरिए लड़कियों को जरूरी जानकारी, सहायता और स्वच्छता से जुड़ी सुविधाएं मिल सकेंगी। इसका मकसद है कि छात्राएं इस विषय पर खुलकर बात कर सकें और किसी तरह की असुविधा का सामना न करें। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि स्कूलों में जैव अपघटनीय सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, इस्तेमाल किए गए नैपकिन के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था भी होनी चाहिए, ताकि स्वच्छता बनी रहे और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

बगैर झिझक लड़कियां जारी रख सकें पढ़ाई, इसलिए प्रयोग

स्वास्थ्य और जागरूकता

निर्देशों में यह भी कहा गया है कि स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग, सुरक्षित और साफ शौचालय और स्नान सुविधाएं उपलब्ध हों। इससे छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो और वे सहज महसूस करें। सीबीएसई ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि वो छात्राओं के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य और यौन शिक्षा से जुड़े ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित करें। इसके साथ ही लैंगिक संवेदनशीलता पर भी चर्चा करने को कहा गया है, ताकि स्कूलों में एक सहयोगी और सम्मानजनक माहौल तैयार हो सके। यह सभी निर्देश सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जारी किए गए हैं। कोर्ट ने स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता और छात्राओं की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश तय किए थे, जिनका पालन करना अब जरूरी है।

निरीक्षण की व्यवस्था

बोर्ड ने यह भी कहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी समय-समय पर स्कूलों का निरीक्षण करेंगे। स्कूलों को इन निरीक्षणों में सहयोग करना होगा, ताकि सभी दिशानिर्देशों का सही तरीके से पालन हो सके। फरवरी 2026 में सीबीएसई ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी निर्देश जारी किए थे। स्कूलों को शिक्षकों और स्टाफ के लिए साल में कम से कम दो बार प्रशिक्षण आयोजित करने को कहा गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य गतिविधियों और प्रशिक्षण का रिकॉर्ड रखने और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

वर्दी-जूता के साथ सिलाई-धुलाई भत्ता, फिर भी 75 प्रतिशत कर्मचारी नहीं दिखते ड्रेस कोड में

हरिभूमि न्यूज: रायपुर।

खास खबर

रायपुर सहित प्रदेशभर के सरकारी दफ्तरों में चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों जैसे भृत्य, वाहन चालक, चौकीदार, सफाईवाला, गार्डन अटेंडेंट के लिए ड्रेस कोड में ड्यूटी करना अनिवार्य है। ये सभी कर्मचारी ड्रेस कोड में ड्यूटी करें, इसके लिए वित्त विभाग द्वारा इन कर्मचारियों को हर साल ड्रेस, जूता, सिलाई भत्ता के साथ धुलाई भत्ता तक दिया जाता है। हालांकि 7वां वेतनमान लागू होने के बाद से कर्मचारियों को ड्रेस सहित संबंधित भत्तों को एलाउंस के रूप में दिया जा रहा है। सूत्र के अनुसार ड्रेस एलाउंस के रूप में लगभग ढाई से तीन हजार रुपए हर साल कर्मचारियों को उनके मासिक वेतन में जोड़कर दिया जाता है। इस तरह चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों पर ड्रेस कोड एवं भत्ता एलाउंस के रूप में हर वर्ष करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसके बाद भी सरकारी दफ्तरों में 75 प्रतिशत कर्मचारी बिना ड्रेस कोड के ड्यूटी कर रहे हैं।

अनुशासन, पेशेवर माहौल के साथ पहचान बनाए रखने नियम लागू

चतुर्थ वर्ग शासकीय कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड (यूनिफॉर्म) लागू करने का मुख्य उद्धेश्य कार्यालय में अनुशासन, पेशेवर माहौल और पहचान बनाए रखना है। इस नियम को सरकारी कार्यालयों में सभी कर्मचारियों में समानता की भावना लाने के लिए भी लागू किया गया है, लेकिन शासकीय अस्पताल, जेल प्रशासन सहित कुछ विभागों के कार्यालयों को छोड़कर अन्य विभागों के कार्यालयों में ड्रेस कोड नियम का पालन लगभग 20 से 25 प्रतिशत कर्मचारी ही कर रहे हैं, वहीं लगभग 75 प्रतिशत कर्मचारियों ने ड्रेस कोड में ड्यूटी करना ही छोड़ दिया है।

कलेक्टोरेट रायपुर में 5 से 10 प्रतिशत कर्मचारी ही नजर आते हैं ड्रेस कोड में

राजधानी रायपुर के कलेक्टोरेट में भी कई विभागों के कार्यालय हैं। इसके अलावा कलेक्टर, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों के बैठने के लिए अलग से कक्ष बने हुए हैं। इन कक्षों के साथ विभागों के कार्यालयों में चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी पदस्थ हैं। इनमें से कलेक्टर कक्ष के अलावा कुछ विभागों में कार्यरत कुछ कर्मचारी ही ड्रेस कोड में ड्यूटी करते हैं, जबकि ज्यादातर कर्मचारियों ने पिछले कई वर्षों से ड्रेस पहनना बंद कर दिए हैं।

ड्रेस कोड नहीं पहनने पर बंद किया जा सकता है भत्ता

अधिकारिक सूत्र से पता चला है कि अगर कोई कर्मचारी ड्रेस कोड में नहीं होता, तो उसे दिए जाने वाले ड्रेस कोड एलाउंस, भत्ता भी बंद किया जा सकता है, लेकिन इस नियम के तहत ड्रेस कोड में ड्यूटी नहीं करने वाले कर्मचारियों का ड्रेस एलाउंस, भत्ता अब तक बंद नहीं किया गया है।

रायपुर जिले में 7500 कर्मचारी कार्यरत

रायपुर जिले में ही चतुर्थ वर्ग के लगभग 7500 कर्मचारी विभिन्न विभागों में पदस्थ हैं। प्रति कर्मचारी को ड्रेस या उसके बदले राशि सिलाई के लगभग 8 सौ रुपए, 75 रुपए धुलाई भत्ता दिया जा रहा है। इस तरह ढाई से तीन हजार रुपए प्रति कर्मचारी पर ड्रेस कोड के नाम पर राशि खर्च की जा रही है। इस तरह जिले में हर साल लगभग डेढ़ से दो करोड़ रुपए तक राशि खर्च की जा रही है। पूरे प्रदेश में कर्मचारियों के साथ खर्च की राशि भी कई गुना बढ़ेगी।

अफसरों का दबाव नहीं इसलिए पहनते नहीं ड्रेस

विभागों में पदस्थ ज्यादातर चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी इसलिए ड्रेस नहीं पहनते, क्योंकि उनके अफसर नजरअंदाज करते हैं या यूं कहे कि अफसर कर्मचारियों पर ड्रेस कोड में ड्यूटी करने का दबाव नहीं बनाते, जिसका फायदा कर्मचारी उठा रहे हैं।

महंगाई, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आम जनता पर बढ़ती महंगाई, रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत एवं कालाबाजारी के खिलाफ शुक्रवार को शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया गया। आंबेडकर चौक में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए और केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद कलेक्टोरेट पहुंचकर कांग्रेसजनों ने गैस सिलेंडर की कमी और कालाबाजारी को लेकर प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया तथा संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा, आज आम जनता महंगाई की मार से बुरी तरह त्रस्त है और रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत ने लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। स्थिति यह है कि गैस सिलेंडर खुलेआम 3 से 4 हजार रुपये में कालाबाजारी के माध्यम से बेचे जा रहे हैं, जबकि अधिकतर एजेंसियों में 1500 से अधिक उपभोक्ता वेटिंग में हैं। उन्होंने कहा, शासन प्रशासन पर्याप्त स्टॉक होने का दावा कर रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। देश और प्रदेश के जिम्मेदार मंत्री चुनावी व्यस्तताओं में उलझे हुए हैं, जबकि आम जनता अपने घर की रसोई चलाने के लिए दर-दर भटक रही है।

ये थे मौजूद : इस दौरान प्रमोद दुबे, कुलदीप जुनेजा, पंकज शर्मा, आकाश शर्मा, कन्हैया अग्रवाल, जसवीर ढिल्लन, राकेश धोत्रे, देवेंद्र यादव, अन्नू राम साहू, प्रवीण चंद्राकर, हीरेंद्र देवांगन, देव कुमार साहू, ओम श्रीवास, विनोद ठाकुर, कमल धृतलहरे, अंजुमन ढेबर, विजय टंडन, मिलिंद गौतम, सुरेश धीवर, मुन्ना मिश्रा, राज देवांगन, दीपक चौबे, सुनील भुवाल, सत्तू सिंह, सुरेंद्र चौधरी, फहीम खान, ऋषि देवांगन, कल्पना सागर, पद्मा कहार, नवीन लाजरस, हाजरुन बानो, पूनम यादव, ब्रह्मा सोनकर, गावेश साहू, संजय बंदे, गौतम यादव, जीतु भारती, वेंकट कुमार, सजमन बाघ, ईश्वर चक्रधारी, सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भगवान झूलेलाल जयंती पर सुबह बाइक रैली एवं शाम को शोभायात्रा की रही धूम

चेट्री चंड पर नगर में सुबह से शाम तक मेले का रहा माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा सिंधी समाज के द्वारा आराध्य देव भगवान झूलेलाल वरुणावतार का जन्म उत्सव चेट्री चंड शुक्रवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से शाम तक शहर में मेला लगा रहा। इस मौके पर समाज के उत्साही युवको एवं महिलाओं के द्वारा बाइक रैली निकाली गई मंदिर में आम लंगर हुआ और शाम को भव्य शोभा यात्रा निकाली गई।इस मौके पर जोर दार आतिश बाजी की गई ।

शोभायात्रा में मछली की झांकी ने किया सब को आकर्षित

शुक्रवार को सुबह झूलेलाल मंदिर में भगवान झूलेलाल का जलाभिषेक कर भगवान को नए वस्त्र धारण कराए गए। मंदिर में भगवान की विशेष पूजा अर्चना कर महाआरती की गई। आरती में सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुबह 10 बजे झूलेलाल मंदिर से भव्य बाइक रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व रोशन आहूजा, धनराज खत्री, विकास कोटवानी, जयपाल माधवनी, दिनेश खत्री, विपिन खुब्वानी , करते हुए चल रहे थे।

इसके पहले गुरुवार की शाम समाज की नारी शक्ति के द्वारा विशाल बाइक रैली निकाली गई थी। आयो लाल झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए महिलाएं भगवा ध्वज फहराते हुए नाचते गाते चल रही थी। रेली में कोयल निहिचलानी , अनीता हरिरामानी.सरिता चंदानी .रानी कोटवानी ,एकता गलानी,काजल .नैना रोहरा ,संजना वर्ल्यानी ,भूमि कोटवानी ,प्रियंका वाधवानी,पलक सुखवानी ,कंचन वाधवानी शामिल हुई रैली का आधा दर्जन स्थानों पर फूल बरसाकर स्वागत किया गया सांसद प्रतिनिधि राम पंजवानी.डिम्पल के द्वारा रैली का स्वागत किया गया। साढ़े 12 बजे झूलेलाल मंदिर में आम लंगर का शुभारंभ हुआ लंगर में 5 हजार से से भी अधिक लोगों ने प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण किया। कांग्रेसी नेता शैलेश नितिन त्रिवेदी भाजपा के पूर्व विधायक देव जी भाई पटेल ने भी झूला मंदिर में पहुंचकर भगवान झूलेलाल के चरणों में माथा टेका और चेटीचंड की सिंधी समाज को बधाई दी।

दोपहर 2 बजे बहराणा साहब को सजाया गया। इस दौरान महिलाएं भजनों पर नृत्य कर रही थी। शाम 5 बजे झूलेलाल मंदिर से घोड़े से सजे रथ पर भगवान की मूर्ति विराजित कर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा के आगे मंदिर के प्रमुख धनराज खत्री, सुरेश बागवानी, वासुदेव थावरानी, रमेश विरानी, पार्षद राजेश कोटवानी, राम पंजवानी ,मोतीलाल हिंदुजाभगवान झूलेलाल के जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। पीछे विशाल मछली की झांकी चल रही थी। युवक. /"घोड़े ते आयो मोहिजो लाल/" के भजन पर नाचते हुए जयकारा लगाते चल रहे थे। शोभा यात्रा के स्टेशन पहुंचने पर स्वागत कर शरबत एवं जलपान का वितरण किया गया।

रैली का किया स्वागत और बांटी मिठाइयां

झूलेलाल मंदिर से शुरू हुई बाइक रैली का स्टेशन चौक पर व्यापारी संघ के द्वारा आतिशी स्वागत कर मिष्ठान का वितरण किया गया। इस मौके पर कन्हैया थावरानी, शिव निहचलानी एवं समस्त व्यापारी उपस्थित थे। लगभग 2 घंटे तक नगर का भ्रमण करतने के बाद बाइक रैली हेमू कॉलोनी चौक पहुंची जहां कपड़ा मार्केट में स्वागत कर शरबत वितरण किया गया। वेलकम डेली नीड्स के पास भी रैली का स्वागत किया गया। गुरु नानक चौक पर दीपक निहचलानी द्वारा जोरदार स्वागत कर मिष्ठान वितरण किया गया।

आतिशबाजी और डांडिया नृत्य की मची धूम

दीनदयाल चौक पर भव्य आतिशबाजी की गई आतिशबाजी को देखने हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। शोभा यात्रा में सिंधी डांडिया नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा वहीं महिलाओं की झूमिर देखते बन रही थी। सिंधी कैंप में श्यामलाल बालचंदानी,सुनील निहचलानी, शैलू खूबचंदानी, हरीश छाबड़ा, इंद्र लाल बचवानी के द्वारा यात्रा का स्वागत कर जलपान का वितरण किया गया। इसके अलावा अन्य कई जगहों पर शोभायात्रा का स्वागत कर शरबत आइस क्रीम एवं मिष्ठान का वितरण किया गया. नेवरा की बड़े तालाब में बहराना साहब की ज्योत का विसर्जन कर अखों पाकर शह,र प्रदेश ,देश के कल्याण एवं विश्व के में शांति कायम रहने की अरदास की गई. शोभायात्रा में राजकुमार भिखवानी, पार्षद राजेश कोटवानीदीपक मेघानी, मोहन पंजवानी और रमेश रामानी , विजय वाधवानी, पार्षद राजेश कोटवानी विकास कोटवानी वेद प्रकाश कृपलानी राकेश पंजवानी, कन्हैया थावरानी, वीरभान लवानी, सोनू हिंदूजा, मोनू निकलनी संदीप जैसवानी माधव निकलनी आयुष कोटवानी. जतिन बछवानी .कुमार बछवानी. निखिल पॉप्तानी. मोनू .वेदकृपलानी ,अशोक हरिरामानी ,सहित हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए .इस मौके पर तालाब में रेजर लाइट का शानदार प्रदर्शन कर आरती की गई।

खबर संक्षेप

खदानपारा के दो बच्चों का नवोदय विद्यालय में चयन

मंदिर हसौद। ग्राम पंचायत बहना काड़ी के नवीन खदान पारा प्राथमिक शाला स्कूल के यश कुमार कुर्रे पिता सुरेश कुमार कुर्रे और प्रिंस ओगर पिता रूपेन्द्र ओगर का कक्षा छठवीं के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय माना के लिए हुआ। सरपंच अशोक बंजारे सुशील भतपहरी लक्ष्मी नारायण बारले सुरेश कुर्रे राजेंद्र बंजारे, कनक गहलोत, प्रेमलता नेताम, विमला नारंग मैडम ने दो बच्चों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी।

नवनिर्मित आईटीआई भवन में चोरी की शिकायत दर्ज

आरंग। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टेकारी (कुंडा) के नवनिर्मित आईटीआई भवन की खिड़कियों में आग लगाने का असफल प्रयास करने के साथ-साथ परिसर में घुसकर कमरे का ताला तोड़कर 2 ट्यूब लाइट व स्विच बोर्ड चोरी कर ले जाने की घटना सामने आई है। बीते 18 मार्च को ठेकेदार के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा साइट निरीक्षण करने पर इसकी जानकारी मिली। ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को सूचना देने के बाद इसकी लिखित जानकारी ठेकेदार के अधिकृत प्रतिनिधि राजेंद्र शुक्ला ने बीते गुरुवार को मंदिर हसौद थाना प्रभारी आशीष यादव को दी।

सरपंच पर रिश्वत मांगने का आरोप

सिलयारी। ग्राम पंचायत धनेली में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने सरपंच पर आरोप लगाया है कि योजना का लाभ दिलाने के नाम पर हितग्राहियों से अवैध रूप से राशि की मांग की जा रही है।
ग्रामीणों के अनुसार, आवास स्वीकृति के बदले सरपंच द्वारा कथित तौर पर 10,000 तक की मांग की जा रही है। इसको लेकर नाराज ग्रामीणों ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आशीष केसवानी ने कहा मामला उनके संज्ञान में नहीं आया है। शिकायत मिलने पर जांच की जाएगी।

ईश्वर पटेल भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के सह संयोजक बने

अभनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्याम नारंग की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह द्वारा अभनपुर के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं समाजसेवी ईश्वर पटेल को रायपुर जिला ग्रामीण व्यापार प्रकोष्ठ का सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। ईश्वर पटेल ने अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी नेतृत्व के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उजिला महामंत्री संतोष शुक्ला, संचित तिवारी, लौटन गिलहरे, सागर साहू, धर्मेंद्र पटेल, डॉ. मधुसूदन पटेल, शगुन पटेल, वेद प्रकाश पटेल, देवेंद्र पटेल, कपिल पटेल, दुष्यंत पटेल, नारायण सोनी सहित समाज एवं संगठन के अनेक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बधाई प्रेषित की है।

सुशांत का नवोदय विद्यालय में चयन

आरंग। सरस्वती शिशु मंदिर खौली के छात्र सुशांत निर्मलकर ने जवाहर नवोदय विद्यालय, माना कैंप (रायपुर) की प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की है। सुशांत का चयन कक्षा छठवीं के लिए हुआ है।

सुशांत, पिता जोहनलाल निर्मलकर (पंच) एवं माता कुशमलता निर्मलकर के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रेमलता चंद्राकर, ग्राम के सरपंच राजू टंडन, उपसरपंच मुकेश चंद्राकर, मोहन, चंद्रहास चंद्राकर, डॉ. राकेश चंद्राकर आदि ने सुशांत के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी है।

फ्राड मामले में आईडीबीआई बैंक में की तालाबंदी, आश्वासन पर खुला

कूंरा। बैंक फ्राड के शिकार हुए प्रभावित लोगों का धैर्य जवाब देने लगा है आक्रोश में फ्राड के शिकार हुए प्रभावित सुबह से 9बजे पहुंच कर आक्रोश में बैंक में तालाबंदी कर दिए 1घंटे तक विरोध करते रहे आखिर में शाखा प्रबंधक एवं थानेदार धरसीवा के समझाइश पर दो दिन का मोहलत देकर चेतावनी देते हुए निर्णय लिए है कि अगर 2दिन में लिखित आश्वासन नहीं मिलने पर सोमवार को तालाबंदी कर बैंक फ्राड प्रभावित लोगों द्वारा बैंक के सामने प्रदर्शन करने का निर्णय लिए है थाना प्रभारी एवं शाखा प्रबंधक ने बताए कि जांच अधिकारी बांबे से आ रहे है शिकायत के बाद आईडीबीआई बैंक द्वारा शाखा चरोदा धरसीवां की जांच किया गया है जांच अधिकारी द्वारा बताया गया कि शिकायतकर्ता से भी पूछ ताछ करेंगे एवं प्रभावितों को राहत देने की बात किए है ।

प्रभावित लोगों द्वारा निर्णय लिया गया है कि राहत मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा आज पुनःधरसिवा निवासी कौशल्या यादव का भी 400000लाख रु का फ्राड होने की जानकारी हुए है ये जानकारी सुधांशु वर्मा ने दिया है।

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग किया है आईडीबीआई बैंक पूरी जिम्मेदारी ले साथ ही प्रशासन भी फ्राड में शामिल लोगों के खिलाफ कार्यवाही कराए एवं प्रभावित लोगों की राशि का वापस दिलाए पुलिस विभाग भी कड़ाई से जांच कर दोषी सभी लोगों के ऊपर कड़ी कार्यवाही करे।राहत जब तक नहीं मिलती तब तक आंदोलन का साथ देंगे।आज के आंदोलन में कांग्रेस का भी समर्थन रहा पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आशीष वर्मा,दुर्गेश वर्मा पूर्व अध्यक्ष ,सरपंच एवं मंडल अध्यक्ष साहिल खान,प्रभावित लोगों मे शेषणारायण देवागान, देव शनि लहरी,नरेंद्र वर्मा,मनीषा वर्मा,गोवर्धन दीवान,शकुंतला दिवान,किरण बाई वर्मा,कुसुम सेन,रामनारायण गुप्ता वर्मा,कमल साहू,लक्ष्मण प्रसाद वर्मा,जितेंद्र कुमार साहू,प्रहलाद निर्मलकर उपस्थित रहे।

नयापार सरोरा में माता कर्मा की जयंती पर निकाली कलशयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरपोंगी

समीपस्थ ग्राम सरोरा (नयापारा) में भक्त कर्मा माता की जयंती उल्लास के साथ मनाई गई। भव्य कलश यात्रा के साथ माँ कर्मा की पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया। रात्रि में गंगा साहू कृत लोक बयार आरंग का कार्यक्रम रखा गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि अनिल अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि किसान नेता राजू शर्मा, जनपद सदस्य सेवती बैतल साहू, सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू, पूर्व तहसील अध्यक्ष पोषण साहू, उपाध्यक्ष गिरेन्द्र साहू, संगीता साहू, बलदाऊ साहू, डॉ, शिवकुमार साहू, परिक्षेत्र अध्यक्ष संतोष साहू, मुकेश साहू, सोनम साहू, रतनी साहू, उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजू साहू ने किया इस अवसर पर अतिथियों ने ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को संत माता कर्मा के बताए रास्ते पर चलते हुए समाज

को एकता के सूत्र बांधते हुए शिक्षा और संस्कार पर विशेष जोर दिया। स अवसर पर पूर्व सरपंच बिहारी लाल वर्मा, कुंज बिहारी अग्रवाल, रमेश पात्रे, मनाराम सेन, दारा जोशी, ओंकार पाल सहित गांव के सभी समाज प्रमुख विशेष रूप से उपस्थित थे। मंच संचालन मुकेश साहू ने किया इस अवसर पर दुष्यंत साहू, हरीश साहू, झड़ीराम साहू, भूलऊ साहू, शोभाराम साहू, भूषण साहू, दीनू साहू, भूखऊ साहू, उमेश्वरी साहू, चित्रेखा साहू, राधेश्याम साहू, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, रंजीत साहू, माखन साहू, रूपकुमार साहू, परमेश्वर साहू, अरुण साहू, गोविंद साहू, संतोष साहू सहित बड़ी संख्या में सामाजिक एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

महानदी पुल के नीचे युवक की लाश मिली फैली सनसनी

आरंग। शुक्रवार सुबह महानदी पुल के नीचे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही आरंग पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। युवक के शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं मिलने से मामला संदिग्ध बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरंग थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पारागांव स्थित नेशनल हाईवे-53 के महानदी पुल के नीचे 18 वर्षीय युवक का शव देखा गया। मृतक की पहचान पारागांव निवासी प्रेमलाल पाल पिता राजाराम पाल के रूप में की गई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि मृतक अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर काफी परेशान था। बताया जा रहा है कि उसने मौत से पहले अपने भाई को व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी तकलीफों का

जिक्र किया था, जिसके आधार पर आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, प्रेमलाल गुरुवार शाम अपने एक दोस्त के साथ घर से निकला था। निसदा मोड़ के पास वह आइसक्रीम खाने के लिए रुका, इसी दौरान उसका दोस्त आगे निकल गया और इसके बाद से प्रेमलाल का कोई पता नहीं चल पाया। शुक्रवार सुबह पुल के नीचे शव मिलने के बाद परिजनों में शोक और क्षेत्र में हड़कंप मच गया।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

बाइक से उछला युवक दूसरे वाहन से कुचला, मौत

अभनपुर। अभनपुर राजिम मार्ग एनएच मे आधी अधूरी सडक़ निर्माण के कारण आये दिन निर्दोष व्यक्तियो की जान जा रही है,ऐसा ही मामला बुधवार की रात ग्राम जंवईबांधा निवासी जिनेन्द्र साहू उम्र 20 वर्ष अपने काम कर घर वापिस जा रहा था इसी दौरा ओवरब्रिज के पास निर्माणाधीन सडक़ गढ्ढे मे अचानक मोटरसाइकिल के जाने से संतुलन बिगड़ गया जिससे जिनेन्द्र साहू उछलकर सडक़ पर गिर गया इसी दौरान पीछे से आ रही अज्ञान वाहन के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते जिनेन्द्र को कुचल दिया। इस बात को लेकर स्थानीय नागरिको मे भारी रोष व्याप्त है। पालिका उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी,पार्षद रानूर राठी,विरेन्द्र सिन्हा,पूर्व पार्षद पार्थ वैष्णव आदि प्रमुख जनप्रतिनिधियो ने सालीमार प्रा.लि.कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर को ज्ञापन सौपा गया तथा उक्त स्थल पर पर्याप्त विद्युत व्यवस्था आदि की व्यवस्था के साथ ही उक्त निर्माण कार्य को 15 दिवस के अंदर पूर्ण करने की चेतावनी दिया है,समय सीमा मे निर्माण कार्यो मे प्रगति नही होने पर धरना प्रदर्शन आंदोलन की चेतावनी दिया गया है।

पुलिस ने एक दिन में 9 बदमाशों को दबोचा

धरसींवा। राजधानी के ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने और अपराधिक तत्वों में खौफ पैदा करने के उद्देश्य से पुलिस ने एक बड़ा अभियान छेड़ा है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्वेता सिन्हा श्रीवास्तव के कड़े रुख के बाद अब थाना स्तर पर अपराधियों की धरपकड़ तेज हो गई है। इसी कड़ी में शुक्रवार, 20 मार्च को विधानसभा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुल 9 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया है। दरअसल, जिले की कमान संभाल रहीं एसएसपी श्वेता सिन्हा श्रीवास्तव ने सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को

स्पष्ट निर्देश दिए थे कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने वालों और लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इस आदेश के परिपालन में विधानसभा पुलिस की टीम ने मुखबिरों के जाल और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर इलाके में विशेष सर्च अभियान चलाया। विधानसभा थाना प्रभारी श्री शिवेंद्र राजपूत व पुलिस की इस मुस्तैदी का नतीजा यह रहा कि लंबे समय से कानून की आंखों में धूल झोंक रहे 5 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। इसके अलावा, क्षेत्र में सक्रिय चोरों पर नकेल कसते हुए पुलिस ने चोरी की एक वारदात में संलिप्त मुख्य आरोपी को भी घेराबंदी कर धर दबोचा। पुलिस केवल वारंटियों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि इलाके में अशांति फैलाने और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त 3 अन्य बदमाशों के खिलाफ भी प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की गई है।

धरसींवा जनपद पंचायत के सीएमओ की कृति विमोचित

नदियों की धार और प्रकृति के कण-कण में बसते हैं राम : डॉ. हरिवंश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

छत्तीसगढ़ की पावन धरा ने समय-समय पर ऐसे मनीषियों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपनी मेधा और कर्मठता से राष्ट्रीय पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इसी कड़ी में एक प्रखर नाम डॉ. अशोक हरिवंश का उभरकर सामने आया है। कभी धरसींवा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में अपनी प्रशासनिक दक्षता का लोहा मनवाते हुए उसे प्रदेश का प्रथम आईएसओ प्रमाणित संस्थान बनाने वाले डॉ. हरिवंश, आज अपनी आध्यात्मिक चेतना और श्रीराम कथा के अभिनव स्वरूप से पूरे देश को चकित कर

रहे हैं। हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित एक भव्य गरिमामयी समारोह में डॉ.अशोक हरिवंश ने 'नदियों के राम' विषय पर अपनी 'जल कथा' का जो प्रवाह शुरू किया, उसने उपस्थित जनसमूह को एक नए आध्यात्मिक धरातल पर खड़ा कर दिया। डॉ. हरिवंश की राम कथा पारंपरिक सीमाओं को लांघकर वैज्ञानिकता और सामाजिक सरोकारों का एक अनूठा संगम प्रस्तुत करती है। वे मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन को 'वृक्ष में राम', 'पर्यावरण और राम' तथा 'नारी सम्मान' जैसे आधुनिक संदर्भों से जोड़कर प्रस्तुत कर रहे हैं, जो वर्तमान पीढ़ी के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

प्रकृति और अध्यात्म के संगम का लोकार्पण

इस ऐतिहासिक अवसर पर डॉ. अशोक हरिवंश और सह-लेखिका दीप्ति पवन अग्रवाल द्वारा रचित पुस्तक 'नदियों के राम' का विमोचन भी संपन्न हुआ। दीप्ति पवन अग्रवाल वर्तमान में वित्त विभाग में अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। इस कृति के विमोचन के साक्षी देश के प्रख्यात विचारक के.एन. गोविंदाचार्य, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, और जल संरक्षण के पुरोधा पद्मश्री उमाशंकर पांडे जैसी विभूतियां बनीं। वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री और रामशंकर पांडे ने इस पुस्तक को वर्तमान पीढ़ी के लिए एक अनमोल निधि करार दिया। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि डॉ. हरिवंश ने यह सिद्ध कर दिया है कि राम केवल मूर्तियों में नहीं, बल्कि प्रकृति की अविरल धाराओं और लहलहाते वृक्षों में भी जीवंत हैं।

डॉ. हरिवंश की आध्यात्मिक प्रस्तुतिः केंद्रीय मंत्रियों की गरिमामयी उपस्थिति में गूंजी 'राम' कथा

उल्लेखनीय है कि डॉ. हरिवंश पूर्व में प्रयागराज महाकुंभ की रेती पर 'किन्नर के राम' जैसी अभूतपूर्व कथा का वाचन कर पूरे राष्ट्र में चर्चा बटोर चुके हैं। प्रशासनिक अनुभव और आध्यात्मिक गहराई के इस दुर्लभ मेल ने उन्हें आधुनिक भारत का एक विशिष्ट सांस्कृतिक दूत बना दिया है। आयोजन में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, और सांसद कालीचरण सिंह सहित कई गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं। इस आयोजन ने न केवल डॉ. हरिवंश की व्यक्तिगत उपलब्धि को रेखांकित किया, बल्कि छत्तीसगढ़ के उस मानस को भी गौरवान्वित किया जो सदियों से 'राम' को अपने भांजे और आराध्य के रूप में पूजता आया है।

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक का किया स्वागत

अभनपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धर्मांतरण के विरुद्ध सख्त कानून लागू किए जाने के निर्णय का अभनपुर क्षेत्र में व्यापक स्वागत किया जा रहा है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों से शोषित और वंचित परिवारों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने की घटनाओं को लेकर समाज के विभिन्न वर्गों में चिंता बनी हुई थी। ऐसे में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक लागू होने से क्षेत्रवासियों में संतोष और खुशी का माहौल देखा जा रहा है। इस कानून के तहत अब बल, छल, प्रलोभन या डिजिटल माध्यम से कराए जाने वाले धर्मांतरण को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में रखा गया है। शासन का कहना है कि यह कानून धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगाएगा और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। अभनपुर क्षेत्र के सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने इस पहल को ऐतिहासिक बताते हुए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। पूर्व बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद से जुड़े कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस कानून से अब कोई भी व्यक्ति या संस्था दबाव या लालच देकर धर्म परिवर्तन नहीं करा पाएगी, जिससे सामाजिक संतुलन बना रहेगा। इस अवसर पर संचित तिवारी, वरुण राठी, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल अग्रवाल, मण्डल अध्यक्ष भरत बैस, महामंत्री गौरव शर्मा, सूरज लाल साहू, अभनपुर खंड कार्यवाह बोधिराम चन्द्राकर, पूर्व पार्षद किशोर शर्मा, डॉक्टर शंकर लाल चन्द्राकर, राजा रॉय सहित भाजपा एवं अन्य हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार प्रकट किया।

रायपुर, शनिवार 21 मार्च 2026
हरिभूमि लाइव

लाइव इवेंट

कैमरा लेकर फूड ब्लॉगिंग करने पहुंचे अभिनेता आशीष विद्यार्थी, लजीज व्यंजनों का लिया स्वाद

रायपुर। अपने अभिनय और शानदार फूड ब्लॉगिंग को लेकर सोशल मीडिया पर हमेशा सुर्खियों में रहने वाले मशहूर बॉलीवुड एक्टर आशीष विद्यार्थी एक बार फिर रायपुर पहुंचे हैं। तीन साल बाद यहां के जायकेदार स्ट्रीट फूड ने एक्टर को वापस रायपुर खींच लिया है। शुक्रवार को उन्होंने शहर के अलग-अलग व्यंजनों का स्वाद चखा और अपने नए ब्लॉग के लिए शानदार वीडियो भी बनाए। स्ट्रीट फूड से लेकर शहर के मशहूर रेस्टोरेंट्स का रुख करते हुए आशीष विद्यार्थी हाथ में अपना गोप्रो कैमरा लिए मंजू ममता रेस्टोरेंट भी पहुंचे। यहां उन्होंने छोले-भटूरे और रसमलाई जैसे लजीज व्यंजनों का स्वाद लिया और इस पूरे अनुभव को अपने कैमरे में कैद किया। रेस्टोरेंट में अचानक बॉलीवुड एक्टर को अपने बीच देखकर वहां मौजूद हर कोई चौंक गया। अपने दिलचस्प अंदाज में बातें करते हुए आशीष विद्यार्थी ने फैंस और स्थानीय लोगों के साथ खूब हंसी-मजाक भी की। इस दौरान वे एमजी रोड के मार्केट की चहल-पहल और वहां के स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाते हुए नजर आए। बता दें कि इससे पहले आशीष विद्यार्थी साल 2024 में भी रायपुर आए थे और तब भी उन्होंने यहां के व्यंजनों का स्वाद चखकर शहर के खाने की जमकर तारीफ की थी। अब एक बार फिर रायपुरवासी उनके इस नए फूड ब्लॉग का इंतजार कर रहे हैं।

एक्टर ने नए ब्लॉग के लिए बनाए स्ट्रीट फूड के वीडियो, शहरवासियों से की बातचीत

पिता से लिया विद्यार्थी सरनेम

आशीष ने विद्यार्थी सरनेम अपने पिता से लिया है। दरअसल उनके पिता गोविंद विद्यार्थी ने यह सरनेम फ्रीडम फाइटर गणेश शंकर विद्यार्थी को सम्मान देने के लिए रखा था। कहा जाता है कि गोविंद अपनी युवावस्था में अक्सर गणेश शंकर विद्यार्थी का रोल निभाया करते थे। किरदार निभाते-निभाते उनके मन में वैसा ही बनने की इच्छा जागी और उन्होंने अपने नाम के आगे विद्यार्थी सरनेम लगा लिया। आशीष विद्यार्थी बॉलीवुड के फेमस विलेन्स में से एक हैं। कहा जाता है कि ज्यादातर फिल्मों में विलेन की भूमिका निभाने की वजह से उन पर मौत के करीब 182 सीन फिल्माए जा चुके हैं। 19 जून 1962 को नई दिल्ली में जन्मे आशीष मलयाली पिता और बंगाली मां की संतान हैं। उनकी मां रेबा फेमस कथक डांसर थीं तो पिता गोविंद विद्यार्थी जाने-माने थिएटर आर्टिस्ट। आशीष का प्ले दयाशंकर की डायरी काफी पॉपुलर है। इसे उनके सबसे लंबे मोनो एक्ट के रूप में जाना जाता है।

सिटी इवेंट

देशभर के टूर ऑपरेटर्स ने किया छत्तीसगढ़ का भ्रमण, पर्यटन स्थलों ने खींचा ध्यान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और प्राकृतिक व सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने 6 दिवसीय विशेष 'फेम ट्रिप' आयोजन किया गया। 13 से 18 मार्च तक चले आयोजन में देशभर के टूर ऑपरेटर्स ने छत्तीसगढ़ की सुंदरता को करीब से देखा और इसे भारत का हिडन जेम करार दिया। इस विशेष ट्रिप में दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, ओडिशा, चेन्नई, बेंगलुरु और अंडमान-निकोबार जैसे राज्यों से आए लगभग 30 टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट्स शामिल हुए। इन्हें दो समूहों में बांटकर राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया। एक दल को अंबिकापुर, मैनपाट, रामगढ़ और जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता से रूबरू कराया गया। यहां कुनकुरी का गिरजाघर, राजपुरी जलप्रपात और केरे विलेज के महुआ होमस्टे ने यह सिद्ध किया कि राज्य में ईको और रूरल टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। दूसरे दल ने कांगेर घाटी, कोंडागांव, जगदलपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बारसूर और धुड़मारास का भ्रमण किया।

टूर ऑपरेटर्स करेंगे छत्तीसगढ़ को प्रमोट

समापन समारोह में पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने सभी ट्रैवल पार्टनर्स से छत्तीसगढ़ को देशभर में बढ़ावा देने का आव्हान किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा दी जा रही बेहतर सुरक्षा, सुविधाओं और आतिथ्य सत्कार पर भरोसा जताया। वहीं प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने भी प्रतिभागियों से अपने अनुभव साझा करने और अधिक से अधिक पर्यटकों को छत्तीसगढ़ लाने में सहयोग की अपील की।ट्रिप के समापन पर सभी ट्रैवल पार्टनर्स ने प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर राज्य के पर्यटन अनुकूल और सुरक्षित वातावरण की सराहना की और भविष्य में यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ाने का पूरा भरोसा दिलाया।

● छत्तीसगढ़ सिंधी महापंचायत की पहल पर चेट्रीचंड्र पर्व, शहर में निकाली गई शोभायात्रा के स्वागत में उमड़ा सैलाब

वरुणावतार साईं झूलेलाल की आकर्षक झांकियों में कटप्पा, पीके पुष्पा ने मचाई धूम, कॉमेडियन कृष्णा के साथ सेल्फी लेने मची होड़

वरुणावतार भगवान झूलेलाल साईं के जन्मोत्सव को यादगार बनाने और इसे महोत्सव का रूप देने में सिंधी समाजजनों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। लाखेनगर चौक से निकाली गई भगवान झूलेलाल की आकर्षक झांकियों के बीच कटप्पा, पीके, पुष्पा के परिधान में ओडिशा के कलाकारों ने धूम मचाई। वहीं रात में बॉलीवुड कलाकार एवं कपिल शर्मा शो के चर्चित कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक की एक झलक पाने और उनके साथ सेल्फी लेने होड़ मची। लोगों को कृष्णा ने कॉमिक अंदाज से ठहाके लगाने का अवसर दिया। वहीं सिंगर देवाशीष गुरु ने सिंधी गीतों की श्रृंखला सजाते हुए होजमालो...पेसो आ पेसो आ... जैसे गीतों से लोगों को उत्सव का माहौल दिया।

धुमाल के बीच आस्था का प्रतीक बनीं झांकियां

ओडिशा से आए कलाकार डीजे, धुमाल के साथ जैसे ही साईं झूलेलाल संग नृत्य की झलक देती कृतियों के साथ लाखेनगर चौक की ओर बढ़े, दैत्य, दानव के साथ ही कटप्पा, पीके, पुष्पा के परिधान में शोभायात्रा के बीच आकर्षण का केंद्र रहे। पुरानी बस्ती से बढ़ईपारा, रामसागर पारा, तेलघानी नाका, संजय गांधी चौक, गुरुनानक चौक से होते हुए शोभायात्रा आगे बढ़ी। इस बीच जगह-जगह पुष्पवर्षा करते हुए लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। जगह-जगह भंडारे और जलपान के लिए विभिन्न संस्थाओं ने स्टाल्स लगाए थे। इनके बीच से गुजरती छत्तीसगढ़ महतारी संग भगवान झूलेलाल की आकर्षक झांकी का लोगों ने वीडियो बनाते हुए अवसर का यादगार बनाया।

घर-परिवारों में झूलेलाल साईं की महाआरती

सिंधु एकता संघ की पहल पर सिंधी समाज द्वारा घर-घर भगवान झूलेलाल की स्थापना की गई है। चंट्रीचंड्र पर सभी परिवारों ने भगवान की महाआरती की। झूलेलाल की स्थापना के पांचवे दिन सांई लालदास के आव्हान पर जन्मोत्सव पर सभी परिवारों ने महाआरती की। संघ के संस्थापक सुभाष बजाज, आयोजन के संयोजक महेश मोटवानी, अध्यक्ष चंद्रकुमार माखीजा ने बताया कि 21 मार्च को मूर्तियों का विसर्जन करते हुए उत्सव का समापन किया जाएगा। संघ द्वारा गुरुनानक चौक पर शोभायात्रा का आतिशबाजी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर भारत चंदवानी, सुरेंद्र जेसरानी, कुमार बोधवानी, रिकी जुडानी ने शोभायात्रा में शामिल भक्तों का मंच से स्वागत किया।

रायपुर। शोभायात्रा का समापन होते ही युवाओं का उत्साह स्टार्स के लिए सजाए गए मंच की तरफ देखने को मिला। कृष्णा अभिषेक ने कहा कि लोग शो देखते हैं, यह रिश्ता क्या कहलाता है और उसका नाम होता है पवित्र रिश्ता जैसे संवादों से लोगों को गुदगुदाते हुए कहा कि प्रणीत सुंदरानी और राज नवानी का आग्रह मुझे रायपुर खींच लाया। यहां इतनी बड़ी संख्या में सिंधियत के बीच उल्लास का माहौल पहली बार देख रहा हूं। इनके बाद कृष्णा चली लंदन फेम भूमिका मीरचंदानी बैल के गेटअप में लोगों के बीच संवादों के जरिए जुड़ी। कुछ मिनटों के लिए ही सही कलाकारों की प्रस्तुति और उन्हें लाइव देखने के लिए हर वर्ग के युवाओं की भीड़ उमड़ी। कलाकारों के बीच विधायक सुनील सोनी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव समाज के लोगों को शुभकामना देने के लिए पहुंचे।

आदिवासी नृत्य समूह ने शोभायात्रा में धूम मचाई

लगातार 10वें वर्ष भी सामाजिक संस्था बढ़ते कदम ने स्वयं सेवा देते हुए ट्रेक्टर ट्राली से सम्पूर्ण शोभायात्रा मार्ग की सफाई करते हुए सेवा दी। इस वर्ष झांकियों में भगवान झूलेलाल की घोड़े और मछली पर सवार मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। वैश्विक युद्ध विभीषिका पर, स्वतंत्रता सेनानी हेमू कालाणी, सराईपाली से आए 40 सदस्यीय आदिवासी नृत्य समूह ने शोभायात्रा में धूम मचाई। इस बार युवाओं के ग्रुप को भी यातायात व्यवस्था बनाने में सहयोग करते हुए देखा गया। पुलिस की चौकसी के बीच शोभायात्रा निकाली गई।

संतों के सानिध्य में शंखनाद के साथ शुरू हुई शोभायात्रा

सिंधी समाज ने प्रतिवर्ष की तरह हर्षोल्लास के साथ भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव को चेट्रीचंड्र महोत्सव का रूप दिया। इस बार भी सभी झांकिया लाखेनगर मैदान में सुबह से ही सजने लगी थीं। छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत और आयोजन समिति के प्रवक्ता दिनेश आनंद अठवानी ने बताया कि सिंधी समाज ने संत साईं युधिष्ठिर लाल, अम्मा मीरा देवी, संत गुरबख्श कालड़ा, मुरलीधर उदासी, मनोहर उदासी, भाई अमरलाल, भाई गोविंद सिंग, पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, आनंद कुकरेजा, चैंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी, पवन प्रीतवानी आयोजन का हिस्सा बने। अमर गिदवानी, सचिन मेघानी की उपस्थिति में शोभायात्रा का शाम 5.30 बजे 81 महिलाओं और पुरुषों द्वारा शंखनाद कर शुभारंभ किया गया। इस बार घोड़ी, बग्घी के साथ ही आधा दर्जन से अधिक विटेंज कारों का काफिला भी आकर्षण का केंद्र रहा।

पुष्पवर्षा करते हुए किया स्वागत

सिंधी समाज द्वारा निकाले गए भव्य शोभायात्रा का उत्साह देखने लायक था। लाखेनगर से निकलने के बाद शोभायात्रा जैसे ही पुरानी बस्ती पहुंची, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में पुष्पवर्षा करते हुए स्वागत किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष विनोद ठाकुर, सचिन शर्मा, बंशी कन्नौजे, सुरेश बाफना, सुरेश बुधवानी, शरद गुप्ता, राजेश त्रिवेदी मंचस्थ रहे।

ला विस्टा में मनाया गया चेट्रीचंड्र उत्सव

ला विस्टा सोसायटी में सभी 120 परिवारों ने मिलकर भगवान झूलेलाल का महोत्सव धूमधाम से मनाया। सोसायटी के अध्यक्ष विजय मंगवानी, नरेश क्षत्री, दीपक कोडवानी, कैलाश बजाज, प्रकाश लूलिया द्वारा सेंट्रल गार्डन में भजन संध्या का आयोजन किया गया। रात 9 बजे भगवान झूलेलाल की आरती के बाद सभी के लिए सिंधी व्यंजनों के साथ प्रसादी की व्यवस्था की गई। झूलेलाल नवयुवक संघ नहरपारा द्वारा निकाली गई झूलेलाल की संध्या फेरी का ला विस्टा में आतिशबाजी से स्वागत किया गया। यह जानकारी पूर्व अध्यक्ष कीर्ति व्यास ने दी।

सिंधु शक्ति संस्थान ने भी सजाया महोत्सव

सिंधु शक्ति संस्थान द्वारा चेट्रीचंड्र उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रहे नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने समाज को महोत्सव की बधाई दी। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों की सेवाभावना से रक्तदान किया। मुख्य अतिथि श्री श्रीवास्तव द्वारा समाजसेवा में लगे कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र और हेलमेट देते हुए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के साथ किशोर आहूजा, मनोज डेंगवानी, भरत पमनानी, राजू तारवानी मंचस्थ रहे। समाज के लोगों ने उत्साह से आयोजन में भाग लिया।

समाज ने किया भंडारे का आयोजन, दी सेवा

सिंधी समाज के प्रवक्ता विक्की पंजवानी ने बताया कि न्यू राजेंद्र नगर स्थित केनाल रोड के पास भगवान झूलेलाल की सबसे प्रसिद्ध 56 फीट ऊंची मूर्ति स्थित है। यहां सिंधी पंचायत राम के समाजसेवियो और भक्तों ने ईष्टदेव की महाआरती के बाद दिनभर शर्बत, मट्ठा, छाछ और फल वितरित किया। साथ ही भंडारे का लाभ भक्तों को मिला। इसमें सिंधी पंचायत राम के अध्यक्ष गिरीश लहेजा, अजय छत्रे, पवन लोहाना ने भंडारे का आयोजन किया। कटोरा तालाब में जन्मोत्सव पर भंडारे का आयोजन किया। शोभायात्रा का लोगों ने क्षेत्र में गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रेरणा आश्रम में बालिकाओं में वितरित की सामग्री

प्रतिवर्ष की तरह सिंधु शक्ति संस्था ने 18 मार्च को मेकाहारा में मरीजों को फल वितरित करते हुए सेवा दी। वहीं 19 मार्च को हीरापुर स्थित प्रेरणा : दृष्टिबाधित आश्रम में नेत्रहीन बालिकाओं को उनकी आवश्यकता की सामग्री वितरित की गई। संस्था की तरफ से उन्हें पानी की टंकी, फल-फ्रूट, आइसक्रीम, बिस्किट, चॉकलेट, नमकीन, केक, चिप्स आदि सामग्री प्रदान की गई। इसको लेकर संस्था के संस्थापक किशोर आहूजा ने बताया कि सेवा को गति देने में सभी पदाधिकारियों ने सहयोग दिया।

पंडरी मार्केट में व्यापारियों ने किया आयोजन

पंडरी कपड़ा मार्केट में पार्किंग नंबर-3 में भगवान झूलेलाल की आरती में व्यापारी शामिल हुए। इसके बाद प्रसाद वितरण का विशेष आयोजन किया गया। इसमें संघ के अध्यक्ष सरल मोदी, कोषाध्यक्ष शांतिलाल बरडिया, उपाध्यक्ष जयचंद नवानी, न्यू क्लॉथ मार्केट अध्यक्ष चंदर विधानी सहित सैकड़ों व्यापारियों की भागीदारी से भव्य आयोजन किया गया। इसमें आसपास के रहवासी भी शामिल हुए।

कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक बोले- एक्टिंग में चुनौती ज्यादा, रियलिटी शो स्क्रिप्टेड

चेट्रीचंड्र उत्सव में शिरकत करने के लिए आए चर्चित कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक सबसे पहले देवेंद्र नगर चौक स्थित दवाई लंगर केंद्र पहुंचे। जहां उन्होंने बताया कि एक बार कुलदीप जुनेजा से कपिल शर्मा के सेट पर मुलाकात हुई थी। उस समय मैंने एक वादा किया था कि जब भी रायपुर आना होगा, मैं आपके साथ चाय पीने जरूर आऊंगा। आज मैंने अपना वादा पूरा किया। यहां दीन-दुखियों की सेवा के लिए जो काम किया जा रहा है, वह सराहनीय है। उन्होंने मीडिया से चर्चा में बताया कि एक्टिंग में रियलिटी शो की तुलना ज्यादा चुनौती मिलती है। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि बोल बच्चन में काम करते समय कई तरह की दिक्कतें आईं, लेकिन वहां से मिली सफलता ने उत्साह बढ़ाया। कॉमेडी करते हुए लोगों को हंसाना भी आसान नहीं है। हां, टीवी शो करते समय काफी सहूलियत होती है। वहां लगभग सभी संवाद स्क्रिप्टेड होते हैं। कॉमेडी को लेकर कहा कि इस काम ने मुझे लोगों के बीच नई पहचान दी। कपिल शर्मा के साथ काम को लेकर कहा कि वहां से मुझे एक नई पहचान मिली। लोगों को हंसाना और उनके लिए नए-नए अवतार में आना अच्छा लगता है।

समाज लाइव

छत्तीसगढ़ के गुजराती समाज के 25 छात्र-छात्राएं गुजरात रवाना

रायपुर। सर्व गुजराती समाज छत्तीसगढ़ एवं एनआर गुजराती एसोसिएशन छत्तीसगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश के बिलासपुर, जगदलपुर, राजिम, महासमुंद, दुर्ग, भिलाई, धमतरी, रायपुर, कोंडागांव सहित विभिन्न शहरों के बच्चों को गुजरात सरकार द्वारा चलाई जा रही गुजरात परिभ्रमण योजना के तहत 10 दिवसीय प्रवास पर भेजा गया है। एनआर गुजराती फाउंडेशन गांधीनगर गुजरात एवं गुजरात पर्यटन विभाग के सहयोग से सभी बच्चे गुजरात राज्य की संस्कृति, औद्योगिक प्रगति, अहम योजनाओं, शिक्षा-ऊर्जा, पर्यटन व ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा कर जानकारी अर्जित करेंगे। साथ ही राज्य की भाषा, रसोईकला के बारे में भी जानकारी प्राप्त करेंगे।

सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने पहल

देवजी पटेल पूर्व विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष एनआर गुजराती एसोसिएशन छत्तीसगढ़ ने बताया कि गुजरात से अन्य राज्यों में बसने वाले गुजरातियों को राज्य की सांस्कृतिक धरोहर, कला, विरासत, अस्मिता, गुजरात के प्रति प्रेम को और मजबूत बनाने, औद्योगिक विकास में सहायक बनने के लिए गुजरात सरकार ने यह योजना बनाई है। प्रीतेश गांधी प्रदेश अध्यक्ष सर्व गुजराती समाज छत्तीसगढ़ ने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों के 25 छात्र-छात्राएं एवं 2 परिजन गुजरात परिभ्रमण में 10 दिन के लिए रवाना हुए हैं।

इवेंट लाइव

151 माता-पिता का किया सम्मान नन्ही बच्चियों की उतारी आरती

रायपुर। सामाजिक संस्था नवसृजन मंच द्वारा बिटिया जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान 10 दिन से लेकर 6 माह तक की नन्ही बिटिया गोद में लिए माता-पिता सम्मान समारोह में शामिल हुए। आयोजन के अंतर्गत 151 बेटियों के माता पिता का सम्मान किया गया। संस्था नवसृजन द्वारा बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करने पिछले 12 वर्षों से यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें अब तक हजारों परिवारों को सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा , वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आईपीएस चंचल तिवारी, समाजसेवी नीतू सिंह उपस्थित रहीं। इस दौरान डॉ. शर्मा ने कहा की बेटियों को सम्मानित करना, पवित्र नवरात्रि में कन्या पूजन करना अपने आप में अद्भुत है। अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री छाबड़ा ने 151 नन्ही बच्चियों को माता की चुनरी ओढ़ाई और उनकी आरती उतारी गई।

आहार और पोषण से जुड़ी जानकारी दी

आहार विशेषज्ञ डॉ. सारिका श्रीवास्तव ने आहार और पोषण से जुड़ी जानकारी देते हुए कहा कि बच्चे के जन्म के बाद अक्सर माताएं अपने आहार को लेकर उतनी गंभीर नहीं रहतीं। कार्यक्रम का संचालन कांतिलाल जैन, डॉ. प्रीति सतपथी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. देवाशीष मुखर्जी, किशोर महानंद, कांतिलाल जैन, मनीषा सिंह, पद्मा शर्मा, डॉ. रश्मि चावरे, विनय शर्मा, नरेश नामदेव, मनोज जैन, अंजलि देशपांडे, खुशबू शर्मा, निधि झा, शकुंतला श्रीवास, सुनीता पाठक, नूपुर पांचाल, शशि यादव, प्रीति दास मिश्रा, सुकृत आलोक शर्मा सहित संस्था के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कन्याभोज में प्रसाद स्वरूप चना, पूड़ी और हलवा भी वितरित किया गया।

सिटी लाइव

आल इंडिया ओपन राइफल शूटिंग में वीरभद्र को तृतीय स्थान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ी वीरभद्र सिंह ठाकुर (16) ने 0755 आल इंडिया ओपन प्रतियोगिता राईफल शूटिंग-2026 में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता 11 से 17 मार्च तक भोपाल मध्यप्रदेश में आयोजित की गई, जिसमें हजारों खिलाड़ियों ने भाग लिया। टॉपगन शूटिंग एकेडमी, नेताजी सुभाष स्टेडियम रायपुर के होनहार युवा खिलाड़ी वीरभद्र सिंह ठाकुर के अच्छे प्रदर्शन पर एकेडमी के हेड गोपाल दुबे, कोच विनोद मिश्रा, सहायक कोच आयुष दीक्षित ने बधाई दी। उन्होंने बताया कि शूटिंग का यह खेल भारतीय ओलंपिक में शामिल है, जिसमें खिलाड़ियों को खेलने और आगे बढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। टॉपगन एकेडमी में खिलाड़ियों को इंटरनेशनल ग्रेड के वैपन (रायफल एवं पिस्टल) एवं अत्यानुधिक संसाधनों के साथ प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पेट्स, बड्र्स, पालतू एवं आवारा पशुओं को भूख-प्यास, लू से बचाने सोसायटियों में आई जागरूकता

पशु-पक्षियों को गर्मी से राहत दिलाने प्रकृति प्रेमी तैयार कर रहे आर्टिफिशियल घोंसले और शेड्स

गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों की हिफाजत करना इंसानों का कर्तव्य है। यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान में से एक है। यही वजह है कि पेट्स, बड्र्स, पालतू एवं आवारा पशुओं को गर्मी के मौसम में भूख-प्यास, लू से बचाने प्रकृति प्रेमी आर्टिफिशियल घोंसले, शेड्स तैयार कर रहे हैं।

घुमंतू जानवरों के लिए कपड़े-त्रिपाल के शेड्स

शहर में कई एनिमल्स लवर्स घुमंतू पशुओं के लिए पुराने कपड़ों, बांस-बल्लियों और त्रिपाल का उपयोग करके आर्टिफिशियल आश्रय स्थल यानी छायादार शेड्स तैयार कर रहे हैं, जहां चारा-पानी के लिए सीमेंट के टब रखे गए हैं। इससे घुमंतू जानवरों को गर्मी में भूख-प्यास से राहत मिलेगी।

रायपुर। बाजार से रेडिमेड घोंसले व शेड्स होम्स खरीदकर वहां उनके लिए चारा, दाना-पानी की व्यवस्था की जा रही है, ताकि पक्षियों को एक ही स्थान पर ही गर्मी में बिना भटके राहत मिल सके। प्रकृति प्रेमी अपने घरों, बाग-बगीचे, सड़क किनारे सहित विभिन्न स्थानों पर पक्षियों, पशुओं के लिए शेड्स तैयार कर रहे हैं। खाली टिन के पीपों की कटाई कर एक घोंसला तैयार किया जा रहा है, जिसे पेड़ पर आसानी से लटकाया जा सकता है। टीन से बने घोंसलों में दाने डालने की जगह बनाई गई है। इसके साथ पानी के लिए अलग से जगह बनाई गई है। पक्षी टिन के घोंसले में आकर दाना-पानी ले सकते हैं एवं टिन के घोंसलों में बैठने ये पक्षियों का आने वाली बारिश से भी बचाव हो सकेगा। तैयार घोंसलों को खेल स्टेडियम, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, पार्क, वनक्षेत्रों व अन्य स्थान एवं वृक्षों पर लगाने का अभियान शुरू कर दिया गया है। इसके मौजूद वेस्ट मटेरियल, जैसे गत्ते के बॉक्स, शादी कार्ड, टोकरी सहित अन्य सामान का सदुपयोग कर पक्षियों के घोंसले बनाकर पेड़ों पर जगह-जगह लगाए जा रहे हैं। प्रकृति प्रेमियों का प्रयास है कि इस अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़ें, ताकि पर्यावरण व पक्षियों को बचाया जा सके।

पेट्स को हीटस्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से बचाने के उपाय

वेटनरी डॉक्टर विजय वर्मा ने बताया कि गर्मियों में पेट्स एवं पालतू जानवरों को हीटस्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए उन्हें हाइड्रेटेड रखें, ताजा पानी हमेशा उपलब्ध कराएं तथा दोपहर की तेज धूप में बाहर न ले जाएं। छायादार, हवादार जगहें उपलब्ध कराएं और उनके पंजों को गर्म रास्तों से बचाएं। पंखों या कूलर का उपयोग करें और गर्मियों में उन्हें हल्का भोजन दें। गर्मी में टिक्स और पिस्सू का खतरा बढ़ता है, इसलिए नियमित रूप से उनकी जांच करें। अगर पेट्स हांफ रहे हैं, बहुत ज्यादा लार टपका रहे हैं, सुस्त हैं या उल्टी कर रहे हैं तो तुरंत उन्हें ठंडी जगह पर ले जाएं, उनके शरीर पर पानी डालें और पशु चिकित्सक को दिखाएं।

विशेषज्ञों ने बताए हिंदू नववर्ष के आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व, दी तथ्यों की जानकारी

रायपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय इकाई व अग्रसेन महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष प्रतिपदा नव संवत्सर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन महाविद्यालय में नव संवत्सर उत्सव आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि सनातन हिंदू धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य नवसंवत्सर कैलेंडर से प्रारंभ होते हैं। कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक सरोकार और मानवता की समझ और समाज में इसके प्रचार-प्रसार में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।विशिष्ट वक्ता अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रांत संयोजक एवं वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. आरडी शर्मा ने कहा कि हिंदू नववर्ष की शुरुआत से जुड़ी आध्यात्मिक और वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी होना आवश्यक है।

युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की जरूरत

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. वीके अग्रवाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की जरूरत है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि हिंदू नववर्ष मनाने का अर्थ हमें तीज त्योहारों और हिंदू संस्कृति के ज्ञान से है। कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ की उपाध्यक्ष एवं अग्रसेन महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आकांक्षा दुबे ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यूलेंद्र राजपूत ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सभी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक शामिल रहे।

महावीर जन्मकल्याणक में भक्ति सेवा और उत्सव का होगा संगम

रायपुर। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति ने 15 दिवसीय आयोजन की श्रृंखला सजाना शुरू किया है। इस साल भी भक्ति, सेवा और सांस्कृतिक उत्सव के संगम को यादगार बनाने के लिए 58 महिला मंडलों ने तैयारी की है। साथ ही 16 से 31 मार्च तक होने वाले विविध आयोजनों की कड़ी में अंतिम दिन शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए समिति के सभी पदाधिकारियों को अलग-अलग दायित्व दिए गए हैं। इस संबंध में शुक्रवार को पत्रकारवार्ता में महोत्सव समिति के अध्यक्ष चंदेश शाह, महासचिव गोल्डी लुनिया, विकास सेठिया, हेमंद बैद और आनंद जैन ने संयुक्त रूप से जानकारी दी। बताया कि 16 से 30 मार्च के बीच रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह 7.30 से 10.30 बजे तक शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में यह आयोजन किया जा रहा है।

22 मार्च से हर दिन होंगे सांस्कृतिक आयोजन

आगे बताया कि 22 से 31 मार्च तक भक्तिमय माहौल बनेगा। इस कड़ी में भैरव सोसायटी स्थित विमलनाथ मंदिर में 251 आयबिल का आयोजन किया जाएगा। महावीरास लिल निर्वाणास 2.0 को 5 से 15 साल के बच्चों द्वारा सफल बनाने के लिए तैयारी की है। वहीं 23 से 25 मार्च तक महिला सशक्तिकरण के लिए पहल की जाएगी। 26 को ग्रैंड तंबोला, 27 को भक्ति और उत्सव का रंग रास गरबा से सजेगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव की कड़ी में अंतिम दिन भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरेगी। इसे सफल बनाने के लिए अलग से टीम बनाई गई है, जो व्यवस्था की बागडोर संभालेगी।

देवालयों के गर्भगृह से लेकर आवास के पूजा घरों तक विराजित भगवान को गर्मी से बचाने भक्तों की गजब आस्था

कार्नर न्यूज

प्रतिमाओं के लिए एसी-कूलर की व्यवस्था भोग और परिधान भी मौसम के अनुकूल

रायपुर। गर्मी का मौसम आते ही देवालयों में एसी-कूलर की व्यवस्था की जाती है। भगवान को गर्मी से बचाने के लिए अनेक मंदिरों में गर्भगृह के भीतर एसी-कूलर की व्यवस्था की गई है, ताकि मंदिर के गर्भगृह को ठंडा रखा जा सके। साथ ही मौसम के अनुरूप भगवान को प्रतिदिन लगाए जाने वाले भोग-प्रसाद में ठंडे पेय और ठंडक प्रदान करने वाली खाद्य वस्तुओं को शामिल किया जा रहा है। शहर के प्रसिद्ध मंदिरों के गर्भगृह में एसी, कूलर की व्यवस्था की गई है, भीषण गर्मी पड़ते ही इसका स्वीच ऑन कर दिया जाता है। इस बार भी गर्मी में देवी-देवताओं को तपिश से बचाने मंदिरों में लगे एसी-कूलर में सुधार कार्य किया जा रहा है। मंदिरों के पुजारी व प्रबंधन समिति के सदस्यों का कहना है कि अप्रैल-मई में जब पारा 40 डिग्री के पार होता है, तब पशु-पक्षी, इंसान सभी गर्मी से परेशान हो जाते हैं, ऐसे में भक्तों को भी फ्रिक होती है कि उनके भगवान को गर्मी न लगे। भगवान पर गहरी आस्था के चलते भक्तों ने मंदिरों के गर्भगृह से लेकर घर के पूजाघरों में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं को गर्मी से बचाने एसी-कूलर एवं ठंडक देने वाले परिधान व भोग के मीनू में भी बदलाव करते हैं। अभिषेक स्नान में भी केसर व सुगंधित द्रव्यों का उपयोग व भगवान के श्रृंगार एवं शयन संस्कार के दौरान पहनाए जाने वाले वस्त्रों का भी विशेष ध्यान रखा जाता है।

सत्तू, लस्सी, ठंडाई, शर्बत, शिकंजी व मौसमी फलों का भोग

मंदिर प्रबंधन व पुजारियों का कहना है कि भीषण गर्मी की स्थिति में दोपहर को एसी चालू रखा जाता है, ताकि भगवान को भी राहत मिल सके। वहीं भगवान को प्रतिदिन अर्पित की जाने वाली भोग प्रसादी में ठंडी तासीर वाले पेय में सत्तू, लस्सी, ठंडाई, शर्बत, शिकंजी व मौसमी फलों में तरबूज, खरबूजा, आम और मेवों का भोग अर्पित किया जाता है। भगवान के श्रीविग्रह का अभिषेक करने के लिए गंगाजल युक्त पानी में सुगंधित द्रव्य मिश्रित करके स्नान कराया जा रहा है।

सूती वस्त्रों का परिधान, श्रृंगार भी

महामाया मंदिर और समलेश्वरी देवी मंदिर के पुजारी पं. मनोज शुक्ला बताते हैं कि गर्मी के मौसम में मातारानी के श्रीविग्रह का श्रृंगार सूती साड़ी पहनाकर किया जाता है। समता कॉलोनी स्थित राधाकृष्ण मंदिर के सत्येंद्र अग्रवाल बताते हैं कि गर्मी के मौसम में जुगलजोड़ी सरकार श्रीराधा-कृष्ण के श्रीविग्रह को सूती वस्त्र पहनाकर श्रृंगार किया जाता है। सदरबाजार स्थित गोपाल मंदिर और बूढ़ापारा स्थित गोकुल चंद्रमा मंदिर में गर्भगृह को ठंडा रखने के लिए फौवारा लगाए जाने की तैयारी है। पानी की फुहारों और मोगरा फूलों की फुलवारी से गर्भगृह को ठंडा रखने की तैयारी है।

अनेक मंदिरों के गर्भगृह हुए एयरकंडीशंड

महामाया मंदिर पुरानी बस्ती, अंबा देवी मंदिर सत्ती बाजार, कालीमाता मंदिर आकाशवाणी चौक, गणेश शिव मंदिर बूढ़ापारा, खाटू श्याम मंदिर समता कॉलोनी, राधेकृष्ण मंदिर समता कॉलोनी, सांई मंदिर आजाद चौक, श्रीराम मंदिर वीआईपी रोड, सालासर बालाजी हनुमान मंदिर अग्रसेन धाम, राधा-कृष्ण मंदिर जवाहर नगर सहित अनेक देवालयों में एयर कंडीशनर एवं कूलर-पंखे की व्यवस्था की गई है।

खबर संक्षेप

वीरांगना अवंति बाई का बलिदान दिवस मनाया

रायपुर। वीरांगना अवंति बाई लोधी के बलिदान दिवस पर शुक्रवार को राजधानी रायपुर के पंडरी स्थित जिला अस्पताल प्रांगण में उनकी प्रतिमा के समक्ष नगर निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महापौर मीनल चौबे ने उनकी तस्वीर में माला चढ़ाते हुए पुष्पांजलि अर्पित किया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्य भोलाराम साहू, पूर्व पार्षद डॉ प्रमोद साहू, मोहन उपारकर सहित लोधी क्षत्रिय समाज के पदाधिकारी, महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

जैतूसाव मठ में 1 अप्रैल को रामजी की छट्ठी आरती

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित श्री रामचंद्रजी स्वामी जैतूसाव मठ सार्वजनिक न्यास द्वारा आगामी 27 मार्च से विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। न्यास के ट्रस्टियों के अनुसार, 27 मार्च को दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम की जन्म आरती की जाएगी। 28 मार्च को दोपहर 1 बजे राजभोग आरती, शाम 5 बजे से प्रसाद वितरण तथा 1 अप्रैल को दोपहर 12 बजे भगवान रामजी की छट्ठी आरती एवं प्रसाद वितरित किया जाएगा। प्रसाद वितरण अग्रशक्ति समूह, अग्र युवा मंच एवं मोहल्ले के युवाओं के सहयोग से किया जाएगा। न्यास के सदस्य आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

निधन

डॉ. प्रेमलाल यदु

रायपुर। मेकाहारा से सेवानिवृत्त प्रोफेसर, सर्जन, देवेंद्र नगर सेक्टर-2 निवासी डॉ. प्रेमलाल यदु (85) का 20 मार्च को निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे नम्रता यदु के पति एवं देवयानी यदु के पिता थे।

निजी अस्पताल में दवाओं, इलाज और जांच का मनमाना शुल्क, रोक लगाने कोई विभागीय सिस्टम नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी समेत प्रदेश के निजी अस्पतालों में इलाज, दवाओं और होने वाली जांच के मननाने शुल्क पर रोक लगाने स्वास्थ्य विभाग के पास कोई व्यवस्था नहीं है। सुविधाओं के नाम पर अलग-अलग अस्पताल में एक तरह की जांच के लिए अलग-अलग बिल फाड़े जा रहे हैं। इलाज के लिए अस्पतालों की मनमानी फीस देना मरीजों की मजबूरी है और इसके लिए अब तक किसी तरह के नियम नहीं बनाए गए हैं।

सरकारी से ही नहीं, निजी अस्पतालों के बीच आपस के ही उपचार के शुल्क में काफी विभिन्नता है। दी जाने वाली सुविधाओं के नाम पर रक्त और यूरिन संबंधी पैथोलॉजी टेस्ट के साथ सीटी स्कैन, एमआरआई, सोनोग्राफी और एक्सरे जैसी जांच के लिए अलग-अलग शुल्क निर्धारित किए गए हैं। दिलचस्प बात है कि प्राइवेट अस्पताल में एक तरह की जांच के लिए अलग-अलग फीस को नियंत्रित करने स्वास्थ्य विभाग के पास किसी तरह का सिस्टम अथवा योजना नहीं है। विभागीय अधिकारियों द्वारा जनहित में इस संबंध में फैसला लेने किसी तरह की जरूरत ही नहीं समझी गई। सूत्रों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त सुविधा नहीं होने की वजह से मरीजों को अपनी बीमारी के इलाज के लिए जांच के लिए निजी अस्पतालों तक जाना ही पड़ता है, जहां जांच के नाम पर उनकी जेब काटी जाती है।

हर अस्पताल में पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक टेस्ट के शुल्क अलग-अलग

विधानसभा में आया सवाल

पिछले दिनों विधानसभा में विधायक दीपेश साहू द्वारा इस लिखित प्रश्नोत्तरी में पूछा गया था निजी अस्पतालों के मनमाने ढंग से राशि की वसूली को नियंत्रित किए जाने शासन द्वारा कोई संस्था अथवा प्राधिकरण गठित किया गया है अथवा इसके लिए कोई नियम बनाए गए हैं। लिखित जवाब में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया था कि नियंत्रण के लिए कोई प्राधिकरण अथवा नियम ही नहीं है।

महामारी के दौरान तय हुई थी फीस

कोरोना महामारी के दौरान छाती में वायरस के संक्रमण का पता लगाने के लिए सीटी स्कैन किया जाता था। इस दौरान आपदा को अवसर बनाते हुए निजी अस्पतालों द्वारा टेस्ट फीस को मनमाने तरीके से बढ़ा दिया गया था। इसकी शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा निजी अस्पतालों में चेस्ट सीटी स्कैन के लिए शुल्क का निर्धारण किया गया था। इससे ज्यादा राशि लेने पर उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शासन के इस सख्त कदम के बाद मरीजों को राहत मिली थी। मगर सामान्य दिनों में भी इलाज के दौरान होने वाली जांच शुल्क की भिन्नता को सामान करने के लिए कोई सिस्टम नहीं बनाया गया है।

छातिम के पेड़ से स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने का कोई प्रमाण नहीं

गर्मी में राहत देने वाले छातिम के पेड़ को लेकर राज्य में विवाद, पर्यावरण प्रेमी बचाव में उतरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छातिम के पेड़ को लेकर विधायक सुनील सोनी द्वारा सवाल उठाए जाने पर इस पेड़ से कथित तौर पर स्वास्थ्यगत परेशानी को लेकर एक बार फिर नए सिरे से बहस छिड़ गई है। वहीं पर्यारण प्रेमी छातिम के पेड़ को बचाने मुहिम चलाने की बात कह रहे हैं। छातिम के पेड़ को लेकर ओपी चौधरी ने कमेटी गठन करने की बात कही है।

छातिम के पेड़ को लेकर सुप्रिम कोर्ट द्वारा केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने पिछले वर्ष 21 अगस्त 2025 को एक रिपोर्ट पेश की है, जिसमें तथ्यों के आधार पर निर्देशित किया गया है कि नगरीय निकायों द्वारा भविष्य में कोनोकार्पस वृक्ष का रोपण न किया जाए। इसके स्थान पर स्थानीय, देशज एवं पर्यावरण-अनुकूल वृक्ष प्रजातियों के रोपण को प्राथमिकता दी जाए। यदि पूर्व में कोनोकार्पस वृक्ष रोपित किए गए हों, तो संबंधित नगरीय निकाय नियमानुसार उन्हें हटाकर स्थानीय वृक्ष प्रजातियों से प्रतिस्थापित करना सुनिश्चित करें। राज्य में जो छातिम के पेड़ लगे हैं, वह अल्स्टोनिया स्कॉलरिस प्रजाति के हैं। इस प्रजाति के पेड़ को काटने किसी तरह से अनुमति सुप्रीम कोर्ट की अधिकार समिति ने नहीं दी है।

सदाबहार पेड़ है छातिम

छातिम का पेड़ सजावटी पौधे के तौर पर लगाया जाता है। यह पेड़ बहुत जल्दी बढ़ता है। अन्य पेड़ों की तरह पतझड़ में इसके पत्ते नहीं झड़ते। यह सदाबहार बना रहता है। पेड़ काफी छायादार होता है। इसीलिए कई सरकारी परिसरों के साथ तालाब के आसपास इस पेड़ का रोपण किया जाता है। ठंड के शुरुआती दिनों में इस पेड़ के फूल से तीखी खूशबू आती है, इस वजह से लोगों के मन में इस पेड़ से कथित तौर पर अस्थमा के साथ सांस की बीमारी होने का भ्रम है। छातिम के पेड़ से अस्थमा या अन्य किसी तरह की बीमारी फैलने का अब तक किसी भी प्रकार से वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

औषधीय गुणों से भरपूर है छातिम का पेड़

पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में छातिम के पेड़ का उपयोग जानबूझकर बीमारी फैलाने के लिए नहीं, बल्कि पारंपरिक रूप से दस्त, पेचिश और त्वचा रोगों के इलाज में औषधीय रूप से किया जाता रहा है। आयुर्वेद में इसकी छाल का उपयोग बुखार और पाचन संबंधी समस्याओं के लिए किया जाता है। छातिम के पेड़ से अस्थमा या अन्य सांस संबंधी बीमारी फैलने की बात है, तो ऐसे कई पेड़ हैं जिससे लोगों को अलग-अलग तरह से एलर्जी हो सकती है। इससे यह साबित नहीं होता कि जिस पेड़ से किसी को एलर्जी है, तो वह रोग फैलाने वाला पेड़ है।

सभी पेड़ का अपना एक अलग महत्व

सभी पेड़ का अपना एक अलग महत्व होता है। छातिम का पेड़ छायादार होता है, जिनको इस पेड़ से तकलीफ है, वे अपने आसपास इस पेड़ को न लगवाएं ऐसा आदेश देना ठीक नहीं है। छातिम का पेड़ बहुत जल्दी विकसित होता है। छातिम का पेड़ पक्षियों के अलावा अन्य जीव जंतुओं के लिए एक बड़ा आश्रय स्थल है।

- मोहित साहू,
पक्षी विशेषज्ञ एवं पर्यावरण प्रेमी

13 साल से सात पेड़ लगे हैं

मेरे घर में पिछले 13 साल से छातिम के सात पेड़ लगे हैं, पेड़ काफी हरा भरा और छायादार है। कई पेड़ को तीन माह पूर्व सूखा बताकर बरैग अनुमति जबरन काट दिया गया। इस संबंध में उच्चाधिकारियों के पास शिकायत की है, लेकिन दोषियों के खिलाफ अब तक किसी तरह से कार्रवाई नहीं की गई है।

- नीलम वर्मा, पर्यावरण विद, शैलेंद्र नगर

प्रदेश कार्यसमिति के लिए अभी और इंतजार राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद ही संभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन की प्रदेश कार्यसमिति करीब डेढ़ साल से नहीं हो सकी है। किरण देव को पूर्णकालिक अध्यक्ष बने एक साल से ज्यादा हो गया है, लेकिन अब तक एक भी कार्यसमिति नहीं हो सकी है। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद ही आमतौर पर प्रदेश कार्यसमिति होती है। करीब डेढ़ साल से राष्ट्रीय कार्यसमिति भी नहीं हो सकी है। अब नितिन नबीन नए राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। उनकी कार्यकारिणी के बनने के बाद जब राष्ट्रीय कार्यसमिति होगी, तब जाकर प्रदेश की कार्यसमिति होगी। इसके पहले कार्यसमिति के सदस्य छह माह लंबे इंतजार के बाद अब जाकर तय हुए हैं, लेकिन प्रदेश की कार्यसमिति के लिए अभी भी लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

- छह माह बाद हुए हैं कार्यसमिति के सदस्य तय

प्रदेश कार्यसमिति हर तीन माह में करने का प्रावधान तो है, लेकिन इसके लिए सबसे अहम यह है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद ही प्रदेश कार्यसमिति होती है। राष्ट्रीय कार्यसमिति में जो तीन माह की कार्ययोजना तय होती है, उसी पर प्रदेश कार्यसमिति में चर्चा होती है। इसके बाद जिलों और फिर मंडल में कार्यसमिति होती है। छत्तीसगढ़ में सितंबर 2024 में भाजपा के सदस्य अभियान से पहले प्रदेश कार्यसमिति हुई थी, इसके बाद से करीब डेढ़ साल से कार्यसमिति नहीं हुई है। जानकारों का कहना है कि पहले कभी इतने लंबे समय तक कार्यसमिति का इंतजार करना नहीं पड़ा था। लेकिन इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति न होने के कारण ऐसा हो रहा है।

नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का भी इंतजार

जनवरी में नितिन नवीन नए राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। अब उनकी कार्यकारिणी का इंतजार है। उनकी नई कार्यकारिणी बनने के बाद ही राष्ट्रीय कार्यसमिति होगी। नई कार्यकारिणी के अभी बनने की संभावना कम है, क्योंकि अगले माह पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं और सभी राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के साथ कई राज्यों के नेता भी अलग-अलग राज्यों में चुनाव में लगे हुए हैं। मई में विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद ही भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी बनने की संभावना है। इसके बाद ही राष्ट्रीय कार्यसमिति होगी, तब जाकर अपने प्रदेश में कार्यसमिति की बैठक होगी।

बिजनेस साइट

श्री वेंकटेश सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में विशेष स्वास्थ्य शिविर 24 मार्च से

रायपुर। श्री वेंकटेश सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा एमजीएम हेल्थकेयर के संयुक्त तत्वावधान में 24 और 25 मार्च को निःशुल्क उन्नत हार्ट फेलियर उपचार एवं हार्ट ट्रांसप्लांट परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर अस्पताल परिसर, सी-14, सेक्टर-8ए, कमल विहार में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में चेन्नई के अग्रणी हार्ट फेलियर एवं ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ मरीजों को परामर्श देंगे। विशेष रूप से उन मरीजों को लाभ मिलेगा, जिन्हें हार्ट की पम्पिंग कम होने, हार्ट ट्रांसप्लांट की सलाह, बाईपास या एंजियोप्लास्टी संभव न होने, या हल्के कार्य में थकान, सांस फूलना और शरीर में सूजन जैसी समस्याएं हैं। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, शिविर के दौरान संबंधित जांचों पर 20 प्रतिशत तक की छूट भी प्रदान की जाएगी। परामर्श हेतु पूर्व पंजीयन अनिवार्य रखा गया है।

कोलंबिया इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का विशेष शिविरः स्वच्छता, शिक्षा और जागरूकता पर जोर

रायपुर। छपोरा गांव में कोलंबिया इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की एनएसएस इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में 42 स्वयंसेवकों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

प्रतिदिन की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसके बाद श्रमदान, स्वच्छता अभियान और नशामुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। एमजीएम नेत्र अस्पताल के सहयोग से नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। स्वयंसेवकों ने प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा दान और जल संरक्षण पर सर्वेक्षण भी किया। बौद्धिक सत्र में साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जल संरक्षण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया।

तिहाड़ जेल से रिहाई के बाद रायपुर लौटे विनोद का हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उत्तर प्रदेश में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे विनोद तिवारी को गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेज दिया था। चार दिनों बाद प टि या ला हाउस कोर्ट से जमानत मिलने एवं तिहाड़ जेल से रिहाई के पश्चात आज श्री तिवारी रायपुर लौटे, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रायपुर विमानतल पर उनका भव्य स्वागत किया।

- एयरपोर्ट पर समर्थकों ने किया स्वागत, प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात

रायपुर विमानतल पर कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका स्वागत करते हुए इसे सत्य, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की जीत बताया और कहा कि यह केवल एक नेता की रिहाई नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत है। पार्टी का मानना है कि सत्ता से सवाल पूछना लोकतंत्र में हर नागरिक का अधिकार है और असहमति की आवाज को दबाने का कोई भी प्रयास अंततः विफल होता है।

प्रदेशाध्यक्ष ने किया स्वागत

कांग्रेस कार्यकर्ता रैली के रूप में राजीव भवन पहुंचे जहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज जी ने विनोद तिवारी का सूत माला से सम्मान किया। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि श्री तिवारी के खिलाफ की गई कार्रवाई ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस लगातार यह कहती रही है कि

लोकतंत्र में सवाल पूछना अपराध नहीं हो सकता। इस अवसर पर प्रमुख रूप से गिरीश दुबे,कोको पाढ़ी,सुबोध हरितवाल,वतन चंद्राकर,उपेंद्र भारती,शीतल कुलदीप बोगा,जी श्रीनिवास,दलजीत चावला,धीरज पांडे,,रूबल मेहता, छात्रेश टांक,अमित भदौरिया, विक्की वाधवानी, बिज्जू बंजारे,राम चक्रधारी,गौरव चंद्राकर,अपराजित तिवारी,दीक्षा पांडेय,सागर बाघमारे,उमेश डोंगरे,भक्कू कश्यप,शांतनु झा,गौरव जेठी,जतिन टांक,शिवम श्रीवास्तव,शहीद अली,शेख वहाज,संजू साहू सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जानलेवा हो रही सिर पर चोट, सड़क हादसों के मौत के मामले में छत्तीसगढ़ देश में दूसरा

रायपुर। बदलते समय के साथ तेजी से बढ़ती सिर की चोट एक खामोशी वाली बीमारी बन चुकी है। सड़क हादसों से सिर की चोट जानलेवा बनती जा रही है। रोड एक्सीडेंट के मामले में छत्तीसगढ़ देश में दूसरा है। ऐसे मामलों में सही समय यानी गोल्डन अवर पर अस्पताल पहुंचने से जान बच सकती है। साथ ही यात्रा के दौरान सुरक्षा उपाय भी हादसों में कमी ला सकती है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि सड़क हादसों से होने वाली मौतों के मामले में छत्तीसगढ़ पूरे देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत में हर साल लगभग 15 लाख (1.5 मिलियन) लोग सिर की गंभीर चोट का शिकार होते हैं। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक मामले केवल सड़क दुर्घटनाओं के कारण होते हैं। छत्तीसगढ़ में स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि यहाँ मृत्यु दर का आंकड़ा राष्ट्रीय औसत 12.5 के मुकाबले काफी अधिक 20.4 (प्रति एक लाख आबादी पर) है।

- वर्ल्ड हेड इंजूरी डे आज, गोल्डन अवर में अस्पताल पहुंचने से बच सकती है जान

पेज 11 के शेष

तारीख पर ..

संबंधित प्रकरणों के निराकरण भी नहीं पा हो रहे हैं। तारीख पे तारीख बढ़ाए जाने से पक्षकारों को भी लगातार राजस्व कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

नहीं बढ़ाई फीस...

तक जारी रहेगा। गौरतलब है, आरटीई राशि नहीं बढ़ाने के खिलाफ निजी स्कूलों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके पश्चात आरटीई राशि में उचित वृद्धि करने आदेश दिए गए थे। इसके बाद भी स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस दिशा में किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से आरटीई शुल्क में वृद्धि की मांग निजी स्कूल संघ कर रहे हैं। वर्तमान में आरटीई के अंतर्गत प्रति छात्र निजी स्कूलों को 7 हजार रुपए शासन द्वारा दिए जाते हैं। अब इसे बढ़ाकर 18 हजार करने की मांग स्कूल संघ ने की है।

तीसरे दिन भी बिगड़ा ...

में एक बार फिर बिगड़े मौसम ने अपना असर दिखाया। राज्य के उत्तरी हिस्से के बलरामपुर-रामानुजगंज दोपहर होते ही छाए बादल जोरों से बरसने लगे, यही नहीं बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। काफी देर तक वहां बड़े-बड़े ओले गिरते रहे।इसी तरह बस्तर के कोंटा सहित कई इलाकों में काफी देर तक बारिश होती रही। शहर में भी दिन को गर्मी का प्रभाव कम रहा और शाम होने के बाद यहां भी कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो राहत भरा दिन बीतने वाला है और शनिवार के बाद रविवार से राज्य के अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी का दौर शुरू होने की संभावना है। इसके पहले शनिवार को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है और इसका ज्यादा प्रभाव दक्षिण छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है।

कुरियर से बीपी ...

जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पुलिस ने आरोपी को देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र के नारायणा अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्त में आया आरोपी पेशे से लोहा कारोबारी बताया जा रहा है। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक कृष्ण गोपाल ने ड्रग्स पार्टी आयोजित करने कोकीन को कुरियर के माध्यम से मंगवाया था।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-16 (सारागांव) तहसील धरसींवा जिला-रायपुर (छ.ग.)

//आम सूचना //

जारी दिनांक 20/03/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भुलुराम वर्मा पिता भोंदाराम वर्मा निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम भुरकोनी प.ह.नं. 13 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-16 सारागांव में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 229/1 रकबा 0.2470 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब /अतिरिक्त तहसीलदार धरसीवां के आदेश क्रमांक Q /वाचक/ ना.तह./ 2026 दिनांक 02/03/2026 के परिपालन में दिनांक 03/04/2026 को समय 10.00 बजे के पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा /आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 13 के ग्राम छपोरा में स्थित कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैद्य अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर 16 (सारागांव)

आम सूचना

(वाके मौज़ा ग्राम- रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत बहुमंजिला व्यावसायिक परिसर रवि भवन जय स्तंभ चौक रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में भू-तलपर स्थित परिवर्तित व्यावसायिक संपत्ति दुकान क्रमांक डी-2/1,क्षेत्रफल 192 (एक सौ बियानबे) वर्गफुट खसरा नं. 625,626/1,627/2, 629 एवं 630 के संबंध में)

सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता श्री ब्रम्हानन्द खेमानी पिता श्री सभाग चंद खेमानी निवासी- मारुति एन्क्लैव, चर्च के पास टाटीबंद रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) 492001 के हक,कब्जे एवं स्वामित्व की संपत्ति दुकान क्रमांक डी-2/1, क्षेत्रफल 192 (एक सौ बियानबे) वर्गफुट खसरा नं. 625,626/1,627/2, 629 एवं 630 खसरा नं. 317/3 वाके मौज़ा ग्राम-रायपुर रवि भवन व्यावसायिक परिसर रायपुर जय स्तंभ चौक रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित दुकान को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दिया है एवं शेष राशि का भुगतान बैनामा के निष्पादन के समय किए जाने का इकरारनामा संपादित किया है।

अतःइस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अर्धशासकीय, अशासकीय, बैंक,बीमा वित्तीय संस्था, निगम, निकाय, बोर्ड, प्राधिकरण, निजी संस्था आदि को किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति है ,तो वह इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अपनी उजर आपत्ति का दावा मेरे कार्यालय में सुसंगत मय दस्तावेज़ के साथ प्रस्तुत करें,अन्यथा बाद म्याद की गई किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति या दावा के लिए मेरे पक्षकार पर कोई बंधनकारी नहीं होगा और वह अपने पक्ष में रजिस्ट्री बैनामा करवा लेगा।

सो सूचना जानें

दिनांक :- 20.03.2026

राकेश मिश्रा
अधिवक्ता
पता- सोहागा मंदिर रोड, ब्राह्मण पारा
रायपुर, मो. -9926126739

हाउसिंग बोर्ड संशोधन विधेयक पारित होने के साथ राजपत्र में प्रकाशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आवास और पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने हाउसिंग बोर्ड में बड़ा सुधार करते हुए उसका नाम और काम दोनों बदल दिया है। अब वह पीडब्लूडी और आरईएस की तरह निर्माण के भी काम करेगा। अभी तक राज्य हाउसिंग बोर्ड सरकार से जमीन लेकर उसमें आवास बनाकर लोगों को मकान मुहैया कराने का काम करता था। अब वह सिर्फ मकान ही नहीं बनाएगा, बल्कि प्राइवेट पार्टी से जमीन खरीदकर उसे डेवलप कर सस्ते रेट पर लोगों को सर्वसुविधायुक्त प्लॉट भी उपलब्ध कराने के साथ अनेक दायित्वों का निर्वहन हाउसिंग बोर्ड करेगा।

- पीडब्ल्यूडी आरईएस की तरह अधोसंरचना विकास का काम भी देखेगा

कल विधानसभा में हाउसिंग बोर्ड संशोधन विधेयक पारित होने के साथ राजपत्र में उसका प्रकाशन भी हो गया। हाउसिंग बोर्ड का स्वरूप को बदलने का काम इसलिए किया गया कि सरकार के ध्यान में लगातार ये बात आ रही थी कि पीडब्लूडी और आरईएस अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में फिसड्डी साबित हो रहे थे। अब उसके समकक्ष हाउसिंग बोर्ड को खड़ा कर दिया गया है।

एनीकट निर्माण के लिए 3.57 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा गरियाबंद जिले के विकासखण्ड-मैनपुर की नदीपारा में एनीकट निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 57 लाख 57 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। योजना के निर्माण से निस्तारी, पेयजल, भू-जल संवर्धन एवं कृषकों द्वारा स्वयं के साधन से 60 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। योजना के कार्य कराने मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

108 घंटे की चर्चा, 8 विधेयक पारित होने के साथ बजट सत्र का समापन

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के आखिरी दिन सभापति धरमलाल कौशिक ने पक्ष-विपक्ष के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, सभी के सहयोग और मार्गदर्शन से ही वे अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सके। सभापति ने बताया कि स्वास्थ्य कारणों से विधानसभा अध्यक्ष सत्र में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से सदन की पूरी कार्यवाही का लगातार अवलोकन किया और संचालन से जुड़े विषयों पर उनका मार्गदर्शन लगातार मिलता रहा, जिससे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित होती रही। आगामी सत्र जुलाई के तीसरे या चतुर्थ सप्ताह के मध्य संभावित है। इस बजट सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी कार्य पूरे किए गए, कई अहम विधेयकों को सदन में प्रस्तुत कर पारित किया गया, जो राज्य के प्रशासनिक और विकासात्मक ढांचे को मजबूती देंगे। छत्तीसगढ़ विधासनभा बजट सत्र के दौरान 26 दिनों में 15 बैठकें आयोजित हुईं। लगभग 108 घंटे तक विभिन्न विषयों पर गंभीर चर्चा की गई। सत्र के दौरान

■ सभापति धरमलाल कौशिक ने पक्ष-विपक्ष के सभी सदस्यों को दिया धन्यवाद

कुल 2924 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें 1495 तारांकित और 1429 अतारांकित प्रश्न शामिल थे। 14 बैठकों में 86 प्रश्न सीधे सभा में पूछे गए, जिनके उत्तर सरकार द्वारा दिए गए।

ध्यानाकर्षण, स्थगन और शून्यकाल सक्रिय

603 ध्यानाकर्षण सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें 220 को ग्राह्य किया गया। 244 स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएं आईं। शून्यकाल के तहत 137 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें 40 ग्राह्य और 31 अग्राह्य रहीं। याचिकाएं और अशासकीय संकल्प 370 याचिकाएं प्रस्तुत की गईं, जिनमें 115 ग्राह्य और 228 अग्राह्य रहीं। 31 अशासकीय संकल्प प्रस्तुत हुए, जिनमें 7 ग्राह्य किए गए, 1 स्वीकृत हुआ और 24 अस्वीकृत हो गए।

8 विधेयकों पर चर्चा के बाद पारित

इस सत्र में कुल 8 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुईं और सभी 8 विधेयकों पर चर्चा के बाद उन्हें पारित किया गया, जो सत्र की विधायी उपलब्धि को दर्शाता है।

बजट पर लंबी चर्चा

वित्तीय कार्यों के तहत वर्ष 2026-27 के आय-व्यय अनुमान पर सामान्य चर्चा 9 घंटे 58 मिनट तक चली. वहीं अनुदान मांगों पर 47 घंटे 4 मिनट और विनियोग विधेयक पर 6 घंटे 49 मिनट तक विस्तार से चर्चा हुई।

समापन पर धन्यवाद संदेश

सत्र के अंत में सभापति धरमलाल कौशिक ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में पक्ष और विपक्ष दोनों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है और इसी सहयोग से सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हो पाया।

छातिम के झाड़ खतरनाक, हटाने की मांग, मंत्री ने कहा- टेक्निकल साइंटिस्ट की टीम बनाकर कार्रवाई

छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान रायपुर विधायक सुनील सोनी ने सप्तपर्णी के पेड़ों को हटाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूछा कि छातिम झाड़ (सप्तपर्णी) बहुत बड़ी संख्या में लगे हैं, इससे अस्थमा, एलर्जी जैसी बीमारी हो रही है। वैज्ञानिकों ने भी रिसर्च कर कहा है कि सप्तपर्णी हानिकारक है। इस बात को संज्ञान में रखकर मध्यप्रदेश, तेलंगाना, केरल, असम, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश ने इन पेड़ों पर रोक लगा दी। इनकी जगह पर नीम और पीपल के पेड़ लगा रहे हैं। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने जबाव दिया कि इस मामले में विभाग गंभीर है, इसके लिए टेक्निकल साइंटिस्ट की टीम बनाकर उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। भविष्य के लिए प्रतिबंध लगाएंगे। विधायक ने कहा, एमपी सरकार ने छातिम के झाड़ को तुरंत हटाने का आदेश 9 जनवरी 2026 जारी किया

और उनकी जगह पर नीम पीपल के पेड़ लगाए। सुनील सोनी ने पूछा कि क्या छत्तीसगढ़ में भी सप्तपर्णी के पेड़ हटाकर नीम और पीपल जैसे ऑक्सीजन देने वाले पेड़ या फल के पेड़ लगाएंगे क्या? विधायक के प्रश्न पर जवाब देते हुए मंत्री ओपी चौधरी ने कहा यदि कोई पेड़ हेल्थ को नुकसान पहुंचा रहा हो, तो इस पर निश्चित रूप से सकारात्मक प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, छातिम के अलावा कोनोकार्पस के संबंध में भी सेंट्रल इंपारमेंट कमेटी ने रिसर्च प्रकाशित किया, उसके अनुसार कोनोकार्पस को बैन किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सप्तपर्णी के बारे में कोई अध्ययन नहीं मिल पाया है। अन्य राज्यों का आदेश मिला है। एमपी में सप्तपर्णी (छातिम झाड़) और कोनोकार्पस के लिए आदेश जारी किया है। मंत्री ने कहा कि भविष्य में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट, हेल्थ डिपार्टमेंट से चर्चा कर सप्तपर्णी (छातिम झाड़) नहीं लगाने को लेकर प्रतिबंध लगाया जाएगा। जहां तक लगे हुए पेड़ों को निकालने के संबंध में सदस्य के साथ चर्चा करेंगे। विभाग से और रिसर्च कराने के बाद सकारात्मक प्रयास करेंगे।

रायपुर में पीपल फॉर पीपुल अभियान

मंत्री ने कहा कि रायपुर में पीपल फॉर पीपुल अभियान चलाकर पीपल के पेड़ चलाने का अभियान चलाया गया। नवा रायपुर में पीपल फॉर पीपुल अभियान बड़े स्तर पर लागू किया जा रहा है। नवा रायपुर को पीपल सिटी के नाम से डेवलप किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि पीपल हमारी आस्था का प्रतीक है। पीपल की उम्र 100 साल से ज्यादा होती है. दिन के साथ ही रात में भी ऑक्सीजन देता है, इस पर काम किया जा रहा है।

कोनोकार्पस से सांस संबंधी बीमारी का खतरा

मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विधायक सुनील सोनी ने कहा कि कई राज्यों ने सप्तपर्णी को बैन किया है, ऐसे में बिना देर किए छत्तीसगढ़ में भी इस पर तुरंत निर्णय लेकर पेड़ों को हटाने का अभियान शुरू किया जाए। पीपल के साथ ही नीम के पेड़ भी लगा दिए जाएं। मंत्री ने अपना जवाब फिर दोहराया कि कोनोकार्पस का मिल गया, लेकिन छातिम या सप्तपर्णी के बारे में रिसर्च पेपर नहीं मिला है।

स्वास्थ्य, वन विभाग से चर्चा कर कराई जाएगी जांच

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि गंभीर विषय है। सभी इस पर चिंतित हैं। मेरा निवेदन है कि सुनील सोनी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनायी जाए। मंत्री ने जबाव दिया कि इस मामले में विभाग गंभीर है, इसके लिए टेक्निकल साइंटिस्ट की टीम बनाकर उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। भविष्य के लिए प्रतिबंध लगा देंगे।

कर्मा एथेनिक रिसोर्ट 8 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला, 21 करोड़ की लागत से बना

मासिक मेंटेनेंस में खर्च किए जा रहे 67 हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा में भाजपा विधायक रामकुमार टोप्पो ने मैनपाट स्थित कर्मा एथेनिक रिसोर्ट को लेकर सरकार से जानकारी मांगी। उन्होंने पूछा कि यह रिसोर्ट किस मद के अंतर्गत विकसित किया गया, इसकी कुल भूमि कितनी है और डीपीआर में किन-किन कार्यों को शामिल किया गया था। साथ ही रामकुमार टोप्पो ने प्रोजेक्ट की कुल लागत और वर्तमान में हो रहे रखरखाव खर्च की भी जानकारी चाही। जवाब में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने बताया कि कर्मा एथेनिक रिसोर्ट मद के तहत विकसित

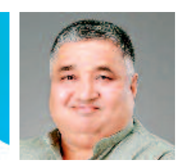

किया गया है। यह रिसोर्ट 8 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है और इसके निर्माण में 21 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत आई है। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रोजेक्ट की डीपीआर में 25 से अधिक कार्य शामिल किए गए थे, जिनमें बुनियादी ढांचा विकास, पर्यटकों के लिए सुविधाएं, आवास व्यवस्था और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा, यह प्रोजेक्ट एक समग्र पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। वहीं, रिसोर्ट के रखरखाव को लेकर जनवरी 2026 में इसके मासिक मेंटेनेंस पर 67 हजार 630 रुपये खर्च किए गए। सदन में चर्चा के दौरान विपक्ष ने ये सवाल भी उठाए कि क्या इतनी बड़ी लागत से बने प्रोजेक्ट्स से अपेक्षित पर्यटन लाभ मिल रहा है। मैनपाट, जिसे "छत्तीसगढ़ का शिमला" कहा जाता है, पर्यटन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण स्थल है। ऐसे में कर्मा एथेनिक रिसोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स की उपयोगिता और आय-व्यय का समय-समय पर मूल्यांकन जरूरी माना जा रहा है।

2.91 लाख अधिकारी-कर्मचारी ने किया पुरानी पेंशन स्कीम का चयन

ओपीएस और एनपीएस को लेकर विधानसभा में उठे सवाल

ओल्ड पेंशन स्कीम और न्यू पेंशन स्कीम के संबंध में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2004 के बाद नियुक्त ओपीएस विकल्प वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा पेंशन नियम, 1976 के प्रावधानों के अनुसार पेंशन योजना का संचालन किया जा रहा है। प्रश्नकाल में विधायक पुन्नूलाल मोहले ने सवाल किया था कि एनपीएस से पुनः ओपीएस योजना के विकल्प का चयन प्रदेश के कुल कितने अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा किया गया है? वर्ष 2004 से पूर्व नियुक्त और वर्ष 2004 के बाद नियुक्त पुनः ओपीएस का विकल्प चयन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के लिये पेंशन योजना का संचालन व कार्यप्रणाली क्या है? जवाब में वित्त मंत्री चौधरी बताया कि एनपीएस से पुनः ओपीएस योजना का विकल्प का चयन प्रदेश के कुल 2,91,797 अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया है। वर्ष 2004 के पूर्व नियुक्त और वर्ष 2004 के पश्चात नियुक्त ओपीएस विकल्प वाले सभी

शासकीय सेवकों के लिए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा पेंशन नियम, 1976 के प्रावधानों के अनुसार पेंशन योजना का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एनपीएस और ओपीएस दो प्रकार की पेंशन योजना है।

एनपीएस में 22 हजार करोड़ जमा

2004 में छग शासन ने ओपीएस की जगह एनपीएस लागू किया था। पिछली बार 2022 में ओपीएस स्कीम को लाया गया था। एक नवंबर 2004 के कर्मचारी ओपीएस में है। पेंशन व अन्य का काम महालेखाकार देखते हैं। मंत्री ने बताया, एनपीएस की कटौती कर्मचारी और नियोक्ता का हिस्सा होता है, कर्मचारी का 10 फीसदी व नियोक्ता का सहभागिता 14 प्रतिशत होता है। रेगुलेटरी में जमा होता है, जीपीएफ 10 प्रतिशत कटौती होती है रिटायरमेंट में मिलता है। एनपीएस कर्मचारी और नियोक्ता का सहभागिता, 22 हजार करोड जमा है, ओपीएस वालों को लाभांश आता है।

बीजेपी सांसद कंगना के राहुल पर अशोभनीय एवं विवादित बयान की कड़ी निंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने बीजेपी की लोकसभा सांसद तथा अभिनेत्री कंगना रनौत के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रति दिए गए अत्यंत आपत्तिजनक, असंवेदनशील एवं बेतुके बयान की कड़ी निंदा की है। उल्लेखनीय है कि सांसद कंगना रनौत

ने हाल ही में संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल गांधी को टपोरी कहकर संबोधित किया तथा दावा किया कि महिलाएं उनके व्यवहार से असहज महसूस करती हैं। यह बयान न केवल शालीनता की सभी सीमाओं को लांघता है, बल्कि एक सम्मानित लोकतांत्रिक नेता एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री के पुत्र के चरित्र पर आधारहीन हमला है। राहुल गांधी सदैव संवैधानिक मूल्यों, महिला सम्मान एवं सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक रहे हैं। उनकी छवि एवं कार्यशैली पर इस प्रकार के घटिया एवं अपमानजनक आरोप लगाना पूर्णतः अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी तत्काल कंगना रनौत के इस घृणित एवं अशोभनीय बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगे।

छत्तीसगढ़ में जल क्रांति का नया अध्याय जल जीवन मिशन 2.0 के लिए एमओयू

ग्रामीण जल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम : साय

प्रदेश के गांवों में 41 लाख 30 हजार घरों में नल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शुक्रवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा में जल जीवन मिशन 2.0 के तहत केन्द्र और राज्य के बीच एमओयू कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल की वर्चुअल मौजूदगी में अधिकारियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर एक्सचेंज किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में यह पहल ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि "हर घर जल" के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जल जीवन मिशन 2.0 के तहत हुये एमओयू से इन कार्यों में गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 10 मार्च 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जल जीवन मिशन के विस्तारित चरण, जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी दी है। इस चरण में जल सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत करने के साथ-साथ जनभागीदारी को भी सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में अब तक 41 लाख 30 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी लगभग 82.66 प्रतिशत घरों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। श्री साय ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत दूरस्थ, वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल पहुंचने से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें पहले पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था।

अब मिशन 2.0 में ये होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन 2.0 के तहत ग्राम स्तर पर जल प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी बढ़ाने और जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही जल संवर्धन, पुनर्भरण तथा योजनाओं के संचालन और रखरखाव को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि इस एमओयू के माध्यम से पारदर्शी और तकनीक आधारित जल सेवा प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल वितरण और अधिक व्यवस्थित एवं सुदृढ़ होगा।

केंद्रीय मंत्री से साय ने किया ये आग्रह

मुख्यमंत्री ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री से 1300 करोड़ रुपये की विशेष स्वीकृति का आग्रह भी किया। इस स्वीकृति से 70 समूह जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के 3 हजार से अधिक गांवों तक पेयजल पहुंचाने में मदद मिलेगी। अंत में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से छत्तीसगढ़ न केवल "हर घर जल" का लक्ष्य हासिल करेगा, बल्कि सतत जल प्रबंधन और ग्रामीण जल शासन में भी नए मानक स्थापित करेगा।

केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कही ये बात

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि आज का दिन अत्यधिक महत्वपूर्ण है और इस एमओयू के बाद छत्तीसगढ़ में पाइप लाइन एवं संरचनाओं के माध्यम से प्रत्येक घर में पानी की पहुँच सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को इसके तहत सशक्त अधिकार प्राप्त होंगे और इन संरचनाओं के रख रखाव के लिए वे जिम्मेदार होंगे। श्री पाटिल ने कहा कि जिला प्रशासन के जरिये पंचायत के कार्यों पर निगरानी रखी जाएगी एवं आवश्यकता होने पर सहायता भी करेंगे। उन्होंने बताया कि आज का यह एमओयू जल शक्ति मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन का साझा प्रयास का परिणाम है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर स्वच्छ एवं निर्बाध पानी की पहुंच का सपना साकार होगा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश टोप्पो सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पृथक कैडर का अभाव, एमसीएच डाक्टरों को भी पीजी जैसा स्टाइपेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य में सुपरस्पेशलिटी की पढ़ाई करने वाले डाक्टरों को पीजी यानी एमडी-एमएस के छात्रों जैसा स्टाइपेंड मिल रहा है। इसकी वजह एमसीएच-डीएम कोर्स वाले डाक्टरों का पृथक कैडर नहीं होना है। लंबे समय से की जा रही यह मांग अब तक ठंडे बस्ते में है। वर्तमान में डीके हास्पिटल में तीन विषयों में एमसीएच की पढ़ाई होती है। हाल ही में आंबेडकर अस्पताल में संचालित कार्डियोलॉजी विभाग को डीएम की सीटें मिली है।

■ कैडर बनाने की पुरानी मांग अब तक ठंडे बस्ते में, तीन विषयों में सुपरस्पेशलिटी कोर्स

राज्य में सुपरस्पेशलिटी डाक्टरों को एमडी-एमएस डाक्टर से पृथक करने के लिए कैडर बनाने की मांग की जा रही है। एमसीएच डाक्टरों का कहना है कि एमसीएच-डीएम की पढ़ाई पीजी कोर्स के बाद प्रारंभ होती है। ऐसे में उन्हें एमडी-एमएस डाक्टरों के समकक्ष रखना गलत है। अन्य राज्यों में एमसीएच-डीएम का अलग कैडर है और उन्हें पृथक वेतन के साथ अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती है। हाल ही में कार्डियोलॉजी विभाग को डीएम की सीट मिलने के बाद सुपरस्पेशलिटी डाक्टरों के पृथक कैडर का मामला गरमाने लगा है। वर्तमान में डीके हास्पिटल के पीडियाट्रिक सर्जरी, न्यूरो सर्जरी एवं बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी में एमसीएच की दो-दो सीटों पर पढ़ाई होती है। आने वाले दिनों में यहां कुछ अन्य विषयों में भी एमसीएच कोर्स को मंजूरी मिल सकती है।00 एफडीए ने उठाया मुद्दाडीएम कार्डियोलॉजी की दो सीट मिलने की घोषणा के बीच छत्तीसगढ़ फेडरेशन ने यह मामला उठाया है। अध्यक्ष डा. हीरा सिंह लोधी ने कहा कि मध्य प्रदेश में विशेषज्ञ और सुपरस्पेशलिटी कोर्स वाले डाक्टरों के स्टाइपेंड के साथ वेतन भी पृथक है मगर छत्तीसगढ़ में ऐसा नहीं किया गया है। सामान सुविधा और सामान वेतन की वजह से यहां सुपर स्पेशलिटी डाक्टरों की कमी पूरी नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में शासन को तत्काल निर्णय लेना चाहिए।

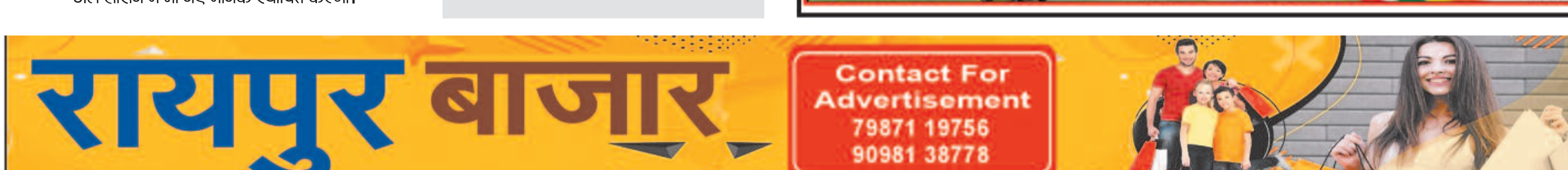

खबर संक्षेप

एमसीएच कालीबाड़ी में एचपीवी वैक्सीनेशन की सुविधा

रायपुर। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए किशोरियों को एचपीवी वैक्सीनेशन की सुविधा कालीबाड़ी के मातृ एवंश शिशु चिकित्सालय में प्रदान की जा रही है।राज्य शासन के निर्देश पर राज्य के तमाम जिला अस्पतालों में टीकाकरण किया जा रहा है। ओपीडी यानी सुबह 9 से दोपहर एक बजे तक कोई भी पहचान पत्र के आधार पर 14 से 15 साल के बीच की किशोरियों को यह सुविधा दी जा रही है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि यहवैक्सीन से किशोरियों को ह्यूमन पेपिलोमा वायरस से सुरक्षा प्राप्त होगी, ये वायरस जानलेवा गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर करता है। उक्त कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाले कैंसर में दूसरे नंबर पर है। राज्य शासन द्वारा वैक्सीनेशन की सुविधा निशुल्क प्रदान की गई है जबकि निजी अस्पतालों में इस टीके पर डेढ़ से दो हजार रुपए खर्च करना पड़ता है।

जिला अस्पताल में मिल रही निशुल्क डायलिसिस की सुविधा

रायपुर। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा जिला अस्पताल पंडरी में दी जा रही है।जीवन धारा योजना के तहत एस्काग संजीवनी प्राइवेट लिमिटेड को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। जिला अस्पताल में पिछले तीन साल में 28604 डायलिसिस सेशन हो चुके हैं। जिला अस्पताल पंडरी में 12 डायलिसिस मशीनों की मदद से यह सुविधा दी जा रही है। यह योजना जिला अस्पताल रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, अंबिकापुर, सूरजपुर, कोरिया, महासमुंद, दुर्ग, कांकेर, राजनांदगांव, जगदलपुर, जांजगीर चांपा सहित सभी अन्य जिलों के अस्पतालों में ये सेवा संचालित की जा रही हैं।

सवा साल में 19 हाथियों की मौत, इनमें नौ शावक पानी में डूबकर मरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

राज्य में हाथियों के अस्तित्व को लेकर सवाल उठने लगा है। राज्य में सवा साल के भीतर 19 हाथियों की अलग-अलग कारणों से मौत हुई है। राज्य में सवा साल में जितने हाथियों की मौत हुई है, उनमें नौ हाथियों की मौत तालाब में डूबने या दलदल में फंसने से हुई है। हाल के दिनों में रायगढ़ में जिन दो हाथी शावकों की मौत हुई है, तालाब में मोटर पंप लगे होने की वजह से करंट की चपेट में आने से हुई है। हाथी के पानी में डूबने से मौत को लेकर जानकार सवाल उठा रहे हैं। वन्यजीवों के जानकारों के मुताबिक हाथियों में जन्म के साथ ही तैरने की कला प्राकृतिक रूप से होती है। हाथी शावक उसी परिस्थिति में नदी में डूबकर मरते हैं, जब नदी में पानी का तेज बहाव हो। उस स्थिति में मादा हाथी अपने शावक को काफी हद तक बचाकर निकाल लेती है। उस स्थिति में शांत तथा ठहरे हुए पानी में हाथी शावकों की मौत को लेकर जानकार सवाल उठा रहे हैं।

नौ में सात हाथी शावकों की मौत रायगढ़ में

पिछले सवा साल में जिन 19 में से नौ हाथी शावकों की मौत पानी में डूबने से हुई है, उनमें अकेले रायगढ़ वनमंडल में सात हाथी शावकों की मौत पानी में डूबने तथा दलदल में फंसने से हुई है। दो अन्य हाथी शावकों की मौत धरमजयगढ़ तथा कटघोरा वनमंडल में हुई है। जिस तेजी से राज्य के वनक्षेत्र में हाथियों की मौत हो रही है, उसे लेकर वन्यजीव प्रेमी चिंतित हैं। साथ ही अफसरों से हाथियों के संरक्षण, संवर्धन करने विभागीय अधिकारियों से उपाय करने की मांग की है।

अकेले रायगढ़ वनमंडल में छह हाथियों की पानी में डूबने से मौत

जन्म लेने के साथ हाथियों में तैरने की कला, ऐसे में मौत को लेकर उठ रहे सवाल

गर्मी के दिनों में घटनाएं ज्यादा

हाथियों की मौत की घटनाएं मार्च से जुलाई, अगस्त के बीच ज्यादा होती हैं। गर्मी शुरू होते ही हाथी पानी की तलाश में रहवासी क्षेत्र में पहुंच जाते हैं। ऐसी स्थिति में रबी फसल के लिए पानी की व्यवस्था करने वन क्षेत्र से सटे ग्रामीण हुकिंग के माध्यम से मोटर पंप चालू करते हैं। इस वजह से करंट की चपेट मे आने से हाथियों की मौत होती है। वन क्षेत्र से सटे गांव में वन विभाग के साथ बिजली विभाग के कर्मचारियों की संयुक्त टीम गठित कर मॉटरिंग करने से हाथियों को करंट की चपेट में आने से बचाया जा सकता है।

हर महीने थोक में हितग्राहियों को शक्कर से वंचित होना पड़ रहा

घाटे में चल रहे शक्कर कारखाने, पिछले तीन वर्षों में 267 करोड़ से अधिक की हानि

2025 में शक्कर उत्पादन में भारी गिरावट : आंकड़ों के अनुसार चालू वर्ष 2025-26 में शक्कर उत्पादन में भारी गिरावट आई है। चालू वर्ष में 15 फरवरी की अवधि तक चारों कारखानों में 12 लाख 64 हजार मीट्रिक टन लक्ष्य की तुलना में कुल 56707 मीट्रिक टन शक्कर का ही उत्पादन हो पाया है। इस तरह इस बार गन्ना पेराई में भी भारी गिरावट आई है। शक्कर का उत्पादन कम होने के कारण शासकीय उचित मूल्य दुकानों में शक्कर की आपूर्ति भी खपत के अनुसार नहीं हो पा रही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश में संचालित सहकारी शक्कर के कारखानों से शासन को मुनाफा नहीं, बल्कि हर साल करोड़ों रुपए का घाटा हो रहा है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन वर्ष में 267 करोड़ 40 लाख रुपए का घाटा हुआ है। इस तरह सालाना औसतन 89 करोड़ रुपए की हानि कारखानों के कारण हो रही है।

इधर एक ओर जहां शक्कर कारखानों के संचालन में शासन को हर साल करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में पंजीकृत कार्ड धारकों के लिए खपत के अनुसार शक्कर का भंडारण भी नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण हर महीने थोक में हितग्राहियों को शक्कर से वंचित होना पड़ रहा है। सहकारिता विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल चार सहकारी शक्कर कारखाने संचालित हैं। इनमें भोरमदेव सहकारी शककर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित पंडरिया, मां महामाया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित अंबिकापुर एवं दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद शामिल है। इन चारों कारखानों में हर साल गन्ना की पेराई, शक्कर उत्पादन का लक्ष्य दिया जाता है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही कारखानों में शक्कर का उत्पादन भी होता है। इन सभी कारखानों में शक्कर उत्पादन की क्षमता अलग-अलग है। सबसे अधिक भोरमदेव कारखाना में 3500 मीट्रिक टन उत्पादन की क्षमता है। इसी प्रकार लौह सरदारवल्लभ भाई पटेल एवं मां महामाया कारखाना की 2500-2500 मीट्रिक टन एवं दंतेश्वरी मैया कारखाना की 1250 मीट्रिक टन शक्कर उत्पादन की क्षमता है।

उत्पादन कम होने से उचित मूल्य दुकानों शक्कर का भंडारण कम : सूत्रों की मानें, तो चालू वर्ष में शक्कर का उत्पादन कम होने के कारण ही छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम में शक्कर का भंडारण खपत के अनुसार नहीं हो पा रहा है। इसके कारण उचित मूल्य की कई दुकानों में भी शक्कर का भंडारण नहीं हो पा रहा है। राजधानी रायपुर में ही सैकड़ों दुकानें हैं, जहां भंडारण की कमी के कारण पिछले दो महीने से शक्कर का वितरण प्रभावित हो रहा है। दुकानदार हर दिन शक्कर की डिमांड कर रहे हैं।

फाइल फोटो

कारखानों के रखरखाव-मरम्मत में हर साल करोड़ों रुपए खर्च

सहकारी शक्कर कारखानों के रखरखाव एवं मरम्मत कार्य में ही हर साल करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। आकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 से लेकर 15 फरवरी की अवधि के दौरान भोरमदेव कारखाना में 7 करोड़ 30 लाख रुपए, वल्लभभाई पटेल कारखाना में 16 करोड़ से अधिक राशि, मां महामाया कारखाना में लगभग 9 करोड़ रुपए तथा दंतेश्वरी मैया कारखाना में 3 करोड़ 32 लाख रुपए की राशि खर्च हुई है।

लक्ष्य के विरुद्ध हर साल शक्कर का उत्पादन कम

लक्ष्य के विरुद्ध शक्कर कारखानों में हर साल उत्पादन कम हो रहा है। भोरमदेव कारखाना में 450000 मीट्रिक टन की तुलना में वर्ष 2022 में 38552.80 मीट्रिक टन, 2023 में 43393.40 मीट्रिक टन, 2024 में 25901.40 मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ। इसी प्रकार सरदार वल्लभभाई पटेल कारखाना में 2022 में 4 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य की तुलना में 33690 मी.टन, 2023 में 3 लाख 50 हजार मी. टन की तुलना में 43393 मी.टन, 2024 में 4 लाख की तुलना में 16451.95 मी.टन शक्कर का उत्पादन हुआ। मां महामाया कारखाना में साढ़े तीन लाख मीट्रिक टन की तुलना में 2022 में 23807.35 मी.टन, वर्ष 2023 में 26030 मी.टन, वर्ष 2024 में 18398 मी.टन तथा दंतेश्वरी मैया कारखाना में वर्ष 2022 में 65 हजार मीट्रिक टन की तुलना में 6334.50 मी.टन, वर्ष 2023 में 70 हजार मी.टन की तुलना में 7513.25 मी.टन एवं वर्ष 2024 में 70 हजार मी.टन की तुलना में 6668.25 मी.टन शक्कर क उत्पादन हुआ।

खाद्य लाइसेंस बनाने शिविर कल

रायपुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा व्यापार मंडल के सहयोग से गोबरा नवापारा क्षेत्र के स्थानीय खाद्य व्यापारियों के लिए 22 मार्च को एक दिवसीय खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर गंज रोड स्थित सिंधी गुरुद्वारा में आयोजित होगा।
खाद्य सुरक्षा अधिकारी संतोष ध्रुव ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य गोबरा नवापारा क्षेत्र के उन छोटे-बड़े खाद्य व्यवसायियों को सुविधा प्रदान करना है, जो तकनीकी जानकारी के अभाव में अब तक अपना पंजीयन या लाइसेंस नहीं बनवा सके हैं। शिविर में क्षेत्र के ही छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी संचालक, होटल व्यवसायी एवं अन्य खाद्य विक्रेता मौके पर ही अपना आवेदन पूर्ण कर सकेंगे। शिविर में भाग लेने वाले व्यापारियों को आधार कार्ड एवं पैन कार्ड की छायाप्रति, एक पासपोर्ट साइज फोटो, दुकान का पता प्रमाण तथा ओटीपी सत्यापन के लिए सक्रिय मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य होगा। आवेदन प्रक्रिया में सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु विभाग के अधिकारी शिविर स्थल पर उपलब्ध रहेंगे।

निगम के नेता प्रतिपक्ष ने सुनी पीएम आवास के हितग्राहियों की समस्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी से नगर निगम मुख्यालय में चंगोराभाठा क्षेत्र की डॉ. सुभाषिनी ऋषि देवांगन के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के परेशान हितग्राहियों ने मुलाकात कर अपनी समस्या बताई, जिन्हें विगत 6 माह से किस्तों के नाम पर केवल आश्वासन ही मिल रहा है। अपनी परेशानियों से अवगत करने शुक्रवार को चंगोराभाठा के ओमप्रकाश ठाकुर, पिंकी देवांगन, जमुना साहू, अंजनी भोई, रामतुल्ला पाल, नंद पाल, उमा विश्वकर्मा, निर्मला साहू समेत अन्य हितग्राही नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी से मुलाकात करने पहुंचे और अपनी वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि विगत 5 से 6 माह से लगातार परेशान हैं। किसी ने अपनी पत्नी के जेवर गिरवी रख दिए, जिसका लगातार ब्याज भरना पड़ रहा है तो किसी ने रिश्तेदार से उधार लिए हैं, जिसे वापस करने में दिक्कत हो रही। वहीं आसपास के लोगों से पैसे लेकर मकान बनाने का सपना देखा था, किंतु सपना साकार होने की जगह परेशानी का सबब बन रहा है।

कॉल सेंटर की आड़ में ठगी की दुकान तीन शातिर गाजियाबाद से गिरफ्तार

मॉल से संचालित हो रही थी ठगी की दुकान
पुलिस के अनुसार जालसाज नौ माह पूर्व नोएडा स्थित गौर सिटी मॉल में किराए से एक ऑफिस लेकर कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे। पुलिस उन तक नहीं पहुंच पाए, इसके लिए वे ठगी की रकम अलग-अलग राज्यों के बैंक में रकम ट्रांसफर कराते थे। आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने रिमांड हासिल की है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- जालसाजों ने बीमा पॉलिसी की मैच्योरिटी राशि दिलाने का झांसा देकर की थी 9.60 लाख की ठगी

फर्जी कॉल सेंटर की आड़ में देशभर के अलग-अलग बीमा कंपनियों के पॉलिसीधारकों को बीमा की मैच्योरिटी राशि की रकम दिलाने का झांसा देकर ठगी का नेटवर्क चलाने वाले तीन अंतर्राज्यीय जालसाजों को एसीसीयू की टीम ने उत्तरप्रदेश, गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। जालसाजों ने मुजगहन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को उसकी बीमा राशि की मैच्युरिटी राशि दिलाने के नाम पर 9.60 लाख रुपए की पिछले वर्ष ठगी की थी। ठगी के आरोप में पुलिस ने अनिल कुमार, अजय तिवारी और रिंकू सिंह को गिरफ्तार किया है। जालसाजों ने कांदुल निवासी परमजीत सिंह चड्ढा के साथ ठगी की थी। जालसाज मोबाइल एप के माध्यम से आवाज टेंपर कर लोगों से बात करते थे। परमजीत सिंह ने थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार परजीत सिंह के पास किसी अनिरुद्ध चौधरी नामक व्यक्ति ने कॉल किया था। कॉल पर उस अज्ञात व्यक्ति ने परमजीत सिंह को बताया था कि उसके नाम से डीबीटी भारत बैंक में 98 लाख 64 हजार रुपए की बीमा पॉलिसी मैच्योर हो गई है। नॉमिनी होने के नाते अज्ञात ने परमजीत को मैच्युरिटी राशि उसके अकाउंट में ट्रांसफर करने का झांसा दिया।

बैंक से मिली ठगी की जानकारी : जालसाजों ने परमजीत को बैंक आकर रुपए प्रोसेस कर डीडी ले जाने या फिर मोबाइल के माध्यम से दस्तावेजी कार्रवाई कर रकम अकाउंट में ट्रांसफर कराने का झांसा दिया। परजमीत ने मोबाइल के माध्यम से दस्तावेजी कार्रवाई पूरी कर रकम ट्रांसफर करने कहा। इस पर जालसाजों ने परमजीत को अलग-अलग तरह का झांसा देकर अकाउंट में रुपए ट्रांसफर कराया। शक होने पर परमजीत ने पूछताछ की, तो जालसाजों ने परमजीत को उनके वाट्सएप नंबर पर एक फर्जी चेक की कॉपी भेजी। चेक के बारे में परजमीत ने बैंक से जानकारी जुटाई तो उसे अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली।

- कीमत बढ़ेगी या नहीं, अब होगा ये फैसला
- हर बोतल के ढक्कन पर सीजी एक्साइज लिखा होगा

छत्तीसगढ़ में देशी-अंग्रेजी शराब के लिए आए रेट ऑफर अब कंपनियों से मोल-भाव के बाद तय होंगी नई कीमतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में देशी, अंग्रेजी और विदेशी शराब बेचने की इच्छुक कंपनियों से सरकार ने उनके अलग-अलग ब्रांड के लिए रेट ऑफर आमंत्रित किए थे, बड़ी संख्या में शराब निर्माता कंपनियों ने सरकार को रेट ऑफर कर दिया है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार अब हर ब्रांड के लिए आबकारी प्रशासन कंपनियों से मोल-भाव (निगोसिएशन) करेगा। इसके बाद अंतिम रूप से रेट तय होंगे।

राज्य में 1 अप्रैल से शराब के कारोबार का नया वित्तीय वर्ष शुरु होने वाला है। इससे पहले आबकारी विभाग शराब निर्माता कंपनियों से उनके ब्रांड के रेट बुलवाएं हैं। इन रेट पर मोल-भाव होने के बाद ये साफ होगा कि 1 अप्रैल से बिकने वाली शराब की हर बोतल का रेट क्या होगा। लिहाजा अभी ये साफ नहीं है कि नए रेट क्या होंगे। ये संभव है कि नए रेट बढ़कर सामने आएं या कंपनियों की प्रतिस्पर्धा के कारण रेट का ऑफर ही कम आएगा तो रेट कम भी हो सकते हैं।

शर्तों में किए गए हैं बदलाव

आबकारी विभाग ने 24-25 फरवरी को रेट आफर का टेंडर जारी किया था। इसमें जो शर्तें रखी गईं थी, उसमें कुछ बदलाव भी किए गए हैं। ये देशी-अंग्रेजी और विदेशी शराब के संबंध में अलग-अलग हैं। एक संशोधन में देशी शराब के संबंध में कहा गया है कि कंपनी या फर्म आदि के दस्तावेज स्थिति में वर्ष भर के दौरान होने वाला कोई भी बदलाव, जिसके परिणामस्वरूप कोई संशोधन होता है, उस पर विचार तभी किया जाएगा जब संशोधन शुल्क के रूप में प्रति आवेदन 50 हजार रुपये की राशि केवल ई-चालान के माध्यम से जमा कर दी जाएगी। हालांकि, एक बार निर्धारित (कोट की गई) लैंडिंग कीमत में वर्ष भर के दौरान कोई भी बदलाव स्वीकार्य नहीं होगा।

फाइबर की बोतल पर प्लास्टिक का ढक्कन

राज्य सरकार पहले ही निर्णय ले चुकी है कि 1 अप्रैल से शराब की बिक्री फाइबर की बोतल में होगी। यह अनिवार्यता देशी और अंग्रेजी शराब के लिए होगी। हालांकि अंग्रेजी और विदेशी के लिए कांच की बोतल में भी बेचने का प्रावधान रखा गया है, लेकिन इससे अलग अब रेट ऑफर की शर्तों में बदलाव के बाद ये जोड़ा गया है कि बोतल की सीलिंग कैप प्लास्टिक की होनी चाहिए। सीलिंग कैप के ऊपरी हिस्से पर अंग्रेजी में सीजी एक्साइज उभरा हुआ होना चाहिए।

रेट सबसे कम होना चाहिए

रेट आफर संशोधन में यह भी शामिल है कि छत्तीसगढ़ के लिए किसी भी नए लेबल के लिए कोट किया गया इडीपी-इएफपी पूरे भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में अप्रूव्ड इडीपी-इएफपी में सबसे कम होना चाहिए। अंग्रेजी- विदेशी शराब के संबंध में बदलाव किया गया है कि ऑफर के साथ रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 1 लाख रुपए के ई-चालान की स्कैन की हुई कॉपी होनी चाहिए। कंपनी,फर्म,वगैरह के डॉक्यूमेंट या स्टेटस में कोई भी बदलाव, जिससे साल भर में कोई मॉडिफिकेशन होता है, उस पर हर एप्लीकेशन के लिए मॉडिफिकेशन फीस के तौर पर 50 हजार रुपये जमा करने के बाद विचार किया जाएगा। हालांकि, पूरे साल लैंडिंग प्राइस में कोई मॉडिफिकेशन नहीं किया जा सकेगा।

online Booking:-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 16,500/
12 ज्योतिर्लिंग
स्पेशल ट्रेन से 29 जुलाई से 08 अगस्त 2026 तक
रिजर्वेशन कोच
13 मई, 10 जून 2026 (11 दिन)
7 ज्योतिर्लिंग यात्रा
श्री द्वारिकाधीश, श्री द्वारिकाभेंट, श्री शिरडी साईं बाबा, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, घृनेश्वर ज्योतिर्लिंग, त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, श्री शनि सिंघनापुर
राशि:-स्लीपर-16,500/-, 3 एसी- 27,500/-, 2 एसी- 32,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354-411411

ऑनलाइन जॉब देने का झांसा देकर युवती से साढ़े छह लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र का मामला

सिविल लाइंस थाना में एक युवती ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ घर बैठे ऑनलाइन जॉब देने का झांसा देकर 6.30 लाख रुपए ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जालसाजों ने युवती से और साढ़े चार लाख रुपए की मांग की, तो उसने अपने भाई को घटना की जानकारी दी। इसके बाद युवती के भाई ने अपनी बहन को उसके साथ ठगी होने की जानकारी दी।

प्रीति तांडी ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। प्रीति ने पुलिस को बताया है कि 12 मार्च को एक वाट्सएप मैसेज मिला, जिसमें आनलाइन काम कर रोजाना पांच से आठ हजार रुपए कमाने का आफर दिया गया। इसके बाद जालसाजों ने युवती को टेलीग्राम चैनल से जोड़ा और 'स्टार रेटिंग' के नाम पर टास्क देना शुरू किया। शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने युवती के अकाउंट में पहले 180 और बाद में 1040 रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद लगातार बड़े टास्क देकर प्रीति से बड़ी रकम जमा कराई जाने लगी।

दबाव में परिचितों से उधार लेकर पैसा जमा कराया

जालसाजों ने युवती से अलग-अलग किस्तों में 800 रुपए से लेकर 2.85 लाख रुपए तक जमा कराए। युवती ने रकम लौटाने कहा, तब जालसाजों ने युवती से और पैसे जमा करने का दबाव बनाया। युवती द्वारा पैसा खतम होने की बात कहने पर जालसाजों ने प्रीति को अपने परिचितों रिश्तेदारों से पैसा उधार लेकर अकाउंट में ट्रांसफर करने दबाव बनाया। युवती ने अपने परिचित इशिता नामदेव, श्रवण कुमार और कौशिक बाछर के बैंक खातों से उधार पैसा लेकर जालसाजों के अकाउंट में ट्रांसफर कराया। जालसाजों द्वारा लगातार पैसों के लिए दबाव बनाने पर प्रीति ने पूरी घटना की जानकारी अपने भाई को दी। तब प्रीति को उसके भाई ने फ्रॉड होने की जानकारी दी।

आवश्यकता है
हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार
रायपुर शहर
सीनियर प्रसार प्रतिनिधि
05 पद
शैक्षणिक योग्यता स्नातक
समाचार पत्र में प्रसार विभाग में
कार्य अनुभव 2 साल
वेतन 15000 + 5000/-
दिनांक - 20 मार्च से 23 मार्च 2026
समय - सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक
नोट : प्रसार वृद्धि के लिये टीम तैयार करने वाले को प्राथमिकता
ऑनलाईन आवेदन भी कर सकते हैं।
cir.haribhoomi@gmail.com
हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर